■ मार्गशीर्ष कृष्णा - 11 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 122 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 26-11-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 अदाणी का साथ देकर देश की छवि खराब कर रहे हैं प्रधानमंत्री : खरगे

6 संभल की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से उपजे जटिल सवाल

7 द्वि-राष्ट्र समाधान का पक्षधर है भारत : जयशंकर

'भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक'

सहकारिता आंदोलन को संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग वाली अर्थव्यवस्था से जोड़ने की जरूरत : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि सहकारिता आंदोलन को संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग वाली अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकोनॉमी) से जोड़ने और इस क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की जरूरत है।

मोदी ने यहां 'भारत मंडपम' में आयोजित 'आईसीए वैश्विक सहकारिता सम्मेलन 2024' को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के लिए सहकारी समितियां संस्कृति और जीवन शैली का आधार हैं। उन्होंने कहा कि भारत अपने भविष्य के विकास में सहकारी समितियों की एक बड़ी भूमिका देखता है और पिछले 10 साल में देश ने सहकारी समितियों से संबंधित पूरे परिवेश को बदलने के लिए काम किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''हमारा प्रयास सहकारी समितियों को बहुउद्देश्यीय बनाना है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने एक अलग सहकारिता मंत्रालय बनाया है।''

मोदी ने कहा कि सहकारी समितियां आवास क्षेत्र के साथ-साथ बैंक क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। देश में लगभग दो लाख आवासीय सहकारी समितियां हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने सहकारी बैंकिंग क्षेत्र को मजबूत किया है और इसमें सुधार किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। हमारा उद्देश्य उच्च जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि हासिल करना और गरीबों तक इसका लाभ पहुंचाना है। दुनिया के लिए वृद्धि को मानव-केंद्रित दृष्टिकोण से देखना जरूरी है।''

मोदी ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता गठबंधन (आईसीए) के इस सम्मेलन में कहा कि दुनिया में सहकारी समितियों के लिए एक बड़ा अवसर है। विश्व में अखंडता और पारस्परिक सम्मान के लिए सहकारी समितियों को अगुवा बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''इसके लिए हमें अपनी नीतियों में सुधार करने और रणनीति बनाने की जरूरत है।

6,000 किलो मेथाम्फेटामाइन ले जा रही नौका को तटरक्षक बल ने जब्त किया

पोर्ट ब्लेयर/भाषा। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने एक बड़े मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पास 6,000 किलोग्राम प्रतिबंधित मेथाम्फेटामाइन ले जा रही एक नौका को जब्त कर लिया, जिसमें म्यांमा के छह चालक दल सदस्य थे। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। ये मादक पदार्थ दो दो किलोग्राम वजन के लगभग 3,000 पैकेट में पैक पाए गए, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत कई करोड़ रुपए है। रक्षा अधिकारी ने बताया कि 23 नवंबर को नियमित गश्त के दौरान तटरक्षक डोर्नियर विमान के पायलट ने बैरन द्वीप के पास मछली पकड़ने वाली एक नौका की संदिग्ध गतिविधि देखी। बैरन द्वीप पोर्ट ब्लेयर से करीब 150 किलोमीटर दूर है। अधिकारी ने कहा, ''नौका को चेतावनी दी गई और उसकी गति कम करने को कहा गया तथा इस बीच पायलट ने अंडमान एवं निकोबार कमान को इसकी जानकारी दी। तत्काल हमारे नजदीकी तीव्र गश्ती जहाज बैरन द्वीप की ओर रवाना हो गए तथा मछली पकड़ने की नौका को आगे की जांच के लिए 24 नवंबर को पोर्ट ब्लेयर ले गए।'' रक्षा अधिकारी ने कहा, ''हमने नौका से म्यांमा के छह नागरिकों को गिरफ्तार किया है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

विचित्र दौर

कौन सहिष्णु आज यहां है,
सारे ही तो उबल रहे।
अवसरवादी नेता अब भी,
पाले अपने बदल रहे।
सब बस अपनी-अपनी कहने,
बल खा-खा कर मचल रहे।
समझदार तो चुप-चुप बैठे,
टुच्चे-मुच्चे उछल रहे।।

युवा शक्ति की उपेक्षा कर कोई देश कभी आगे नहीं बढ़ सकता : योगी

वाराणसी, (उप्र)/ भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि युवा शक्ति की उपेक्षा कर कोई देश कभी आगे नहीं बढ़ सकता।

मुख्यमंत्री ने यहां उदय प्रताप कॉलेज (यूपी कॉलेज) के 115 वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''युवा शक्ति की उपेक्षा कर कोई देश कभी आगे नहीं बढ़ सकता। हमें उनकी भावनाओं को सम्मान करना होगा और उन्हें उचित अवसर देना होगा।'' उन्होंने कहा, ''जिस देश की युवा शक्ति कुंठित, अपराध बोध से ग्रसित और दिग्भ्रमित हो, वह देश कभी आगे नहीं बढ़ सकता। जब भी परिवर्तन हुआ या होगा, युवा शक्ति ही करेगी। युवा शक्ति को केंद्र बिंदु के रूप में रखकर संस्थानों को खुद को तैयार करना होगा।''

इस कॉलेज की प्रशंसा करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उसने एक सदी में शिक्षा और जीवन के सर्वांगीण विकास के क्षेत्र में जो कार्य किए हैं, उसके प्रति केवल वाराणसी, पूर्वी उत्तर प्रदेश एवं बिहार ही नहीं, बल्कि समूचा प्रदेश एवं देश विनम्र भाव से कृतज्ञता ज्ञापित करता है।

युवा दिमाग को आकार देने में भविष्य के लिए तैयार शिक्षक महत्वपूर्ण : प्रधान

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को कहा कि एक तकनीक आधारित समाज में युवा दिमाग को आकार देने में भविष्य के लिए तैयार शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख वृद्धि इंजन बनने के लिए तैयार है और इसलिए शिक्षकों की भूमिका और भी बढ़ जाती है।

प्रधान ने कहा कि भविष्य की तैयारी सबसे बड़ी चुनौती है और शिक्षकों तथा छात्रों, दोनों के कौशल को बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को रटने की जगह वैज्ञानिक-शिक्षण परिणामों के जरिये छात्रों के बीच जिज्ञासा, नई सोच और आलोचनात्मक दृष्टि को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में शिक्षकों में प्रतिभा है, उन्हें बस सही दिशा और अवसर की जरूरत है।

भारती एयरटेल फाउंडेशन के 'द टीचर ऐप' का अनावरण करते हुए प्रधान ने कहा, ''वर्ष 2015 में मौजूद वैश्विक नौकरियों में लगभग 25 प्रतिशत अब नहीं हैं। वर्ष 2028 तक, लगभग 40 प्रतिशत मौजूदा नौकरियों की प्रकृति बदल जाएगी। समाज कौशल विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा, और चूंकि भारत की आबादी सबसे युवा है, इसलिए शिक्षकों के पास इसकी कुंजी होगी।''

मंत्री ने कहा कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत कुछ वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

संभल हिंसा :

सपा सांसद बर्क, पार्टी विधायक के बेटे पर मुकदमा दर्ज

कुल सात मुकदमों में 25 लोग गिरफ्तार

संभल/भाषा। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के मामले में समाजवादी पार्टी (सपा) के क्षेत्रीय सांसद जियाउर्रहमान बर्क और संभल सदर सीट से सपा विधायक इकबाल महमूद के बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले में अब तक कुल सात मुकदमे दर्ज करके 25 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। संभल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया के साथ संयुक्त पत्रकार वार्ता में बताया कि हिंसा में घायल हुए दारोगा दीपक राठी ने 800 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है जिनमें बर्क और इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल को नामजद किया गया है। उन्होंने बताया,''मुकदमे में इनपर आरोप लगाया गया है कि इन लोगों ने भीड़ को भड़काकर बलवे का रूप दिया।'' पुलिस अधीक्षक ने बताया,''बर्क को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 168 के तहत कोतवाली थाना पुलिस द्वारा पहले नोटिस दिया गया था।

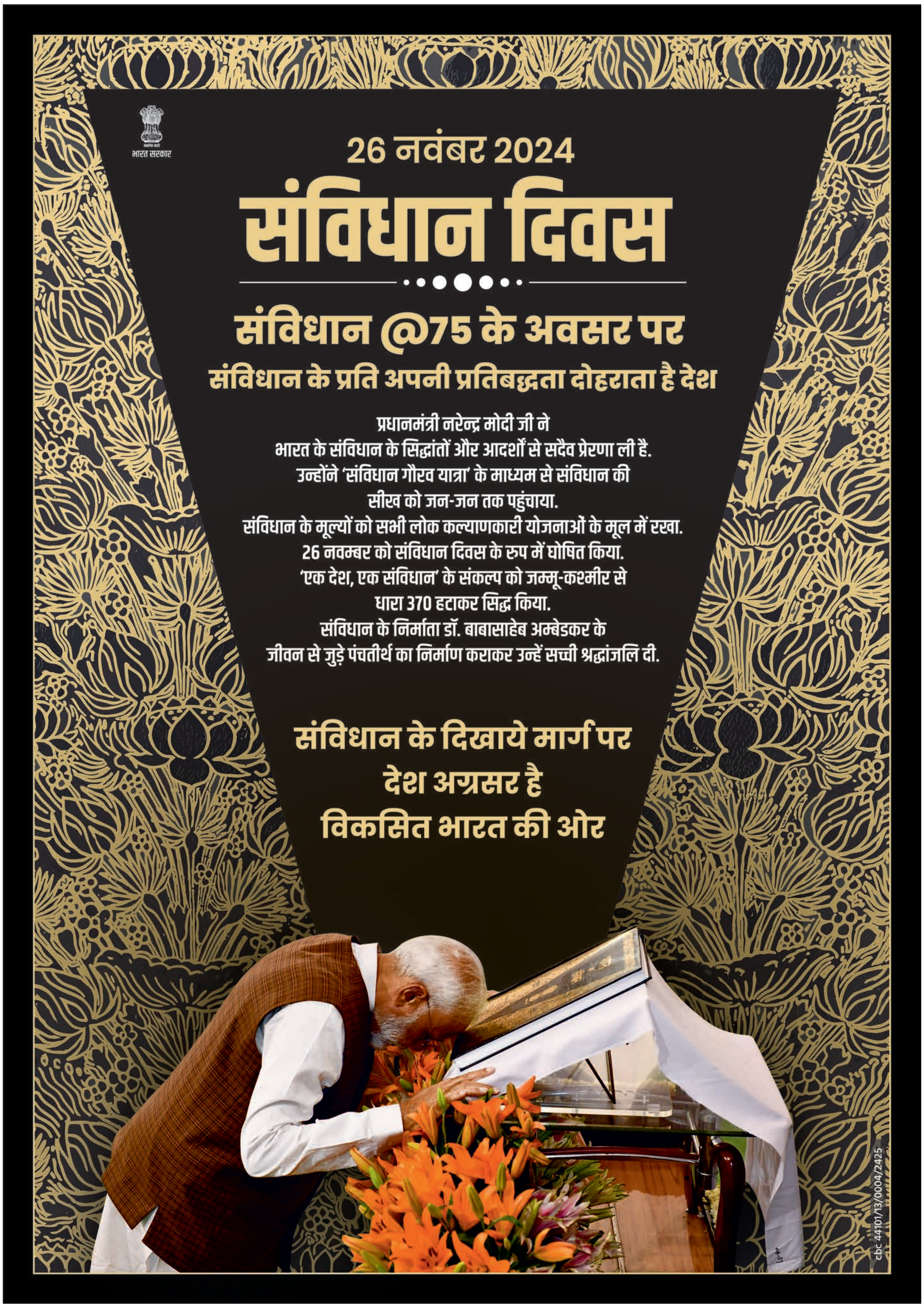

'अध्यात्म के रंग, परिवार के संग' कार्यशाला हुई

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आचार्य महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी उदित यशाजी ठाणा-4 के पावन सान्निध्य में तेयुप राजाजीनगर द्वारा 'अध्यात्म के रंग, परिवार के संग' कार्यशाला तेरापंथ भवन में आयोजित की गई। साध्वीश्री द्वारा पंचपरमेष्ठी नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। साध्वी भव्य यशाजी ने गीतिका प्रस्तुत की। उन्होंने कथा के माध्यम से बताया कि परिवार के लिए सहनशीलता का होना बहुत जरूरी है, ताकि खुशी बनी रहे। उन्होंने बताया कि कैसे 'एबीसीडी' की थ्योरी जीवन में एंटर और एग्जिट करके उसे खुशहाल बनाया जा सकता है। साध्वी उदित यशाजी ने आचार्य तुलसी द्वारा लिखित पंचसूत्रम ग्रंथ का उल्लेख करते हुए बताया कि अनुशासन सूत्र, व्यवस्था सूत्र, आज्ञा सूत्र आदि से परिवार स्वर्ग से सुंदर बन सकता है। हर परिवार को अपना संविधान और हाजिरी पत्र बनाना जरूरी है। इससे परिवार के हर सदस्य की मौलिक मर्यादा तय होती है और आध्यात्मिक गुणों के विकास एवं खुशहाल परिवार का सपना साकार होता है। जिज्ञासा समाधान सत्र में साध्वीश्री ने श्रावकों के प्रश्नों के उत्तर दिए।

इस कार्यशाला में साध्वी भव्य यशाजी की संसार पक्षीय माताजी का तेरापंथ महिला मंडल द्वारा जैन पट्ट से अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर काफी संख्या में श्रावक-श्राविका मौजूद थे। मंच संचालन सतीश पोरवाड़ ने किया। कमलेश चौरड़िया ने आभार जताया।

संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को चुनौती देने वाली याचिकाएं खारिज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

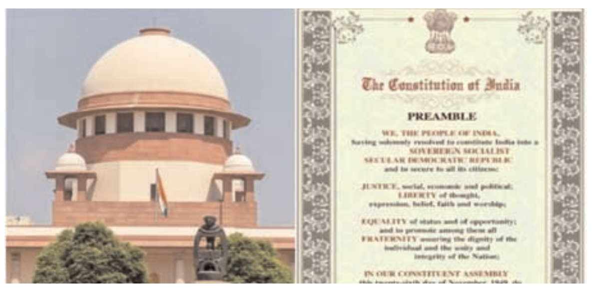

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' जैसे शब्द जोड़ने वाले 1976 के संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाएं सोमवार को खारिज कर दीं। ''समाजवादी'', ''धर्मनिरपेक्ष'' और ''अखंडता'' शब्दों को 1976 में इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पेश किए गए 42वें संविधान संशोधन के तहत संविधान की प्रस्तावना में शामिल किया गया था।

भारत के प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने पूर्व राज्यसभा सदस्य सुब्रमण्यम स्वामी और अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की उन याचिकाओं पर 22 नवंबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था जिनमें संविधान की प्रस्तावना में ''समाजवादी'' और ''धर्मनिरपेक्ष'' शब्दों को शामिल किए जाने को चुनौती दी गई थी। इस संबंध में दायर की गई शुरुआती याचिकाओं में से एक याचिका 2020 में अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन के माध्यम से बलराम सिंह ने दायर की थी। प्रधान न्यायाधीश ने फैसला सुनाते हुए कहा, ''रिट याचिकाओं पर आगे विचार-विमर्श करने और निर्णय सुनाने की आवश्यकता नहीं है। संविधान में संशोधन की संसद की शक्ति प्रस्तावना पर भी लागू होती है।'' उन्होंने कहा कि फैसले ने स्पष्ट कर दिया है कि इतने सालों के बाद प्रक्रिया को इस तरह से निष्प्रभावी नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा कि संविधान को अपनाने की तिथि अनुच्छेद 368 के तहत सरकार की शक्ति को कम नहीं करेगी और इसके अलावा इसे चुनौती भी नहीं दी जा रही है। उसने कहा कि संसद की संशोधन करने की शक्ति प्रस्तावना पर भी लागू होती है।

शीर्ष अदालत ने कहा, ''इतने साल हो गए हैं, अब इस मुद्दे को क्यों उठाया जा रहा है?'' इस मामले में विस्तृत फैसले की प्रतीक्षा की जा रही है। इससे पहले, पीठ ने अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा था कि संबंधित संशोधन (42वां संशोधन) की इस न्यायालय द्वारा कई बार न्यायिक समीक्षा की गई है। संसद ने हस्तक्षेप किया है। पीठ के अनुसार, यह नहीं कहा जा सकता कि उस समय (आपातकाल में) संसद ने जो कुछ भी किया वह सब निरर्थक था। संशोधन के जरिये प्रस्तावना में भारत के वर्णन को ''संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य'' से बदलकर ''संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य'' किया गया था। भारत में आपातकाल की घोषणा तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून, 1975 को की थी और आपातकाल 21 मार्च, 1977 तक लागू था। सुनवाई के दौरान पीठ ने याचिकाकर्ता के अनुरोध के अनुसार मामले को बृहद पीठ को भेजने से इनकार कर दिया था और कहा था कि भारतीय अर्थ में ''समाजवादी होना'' एक ''कल्याणकारी राज्य'' माना जाता है।

'जीतो आफ़िस' में कन्नड़ राज्योत्सव मनाया गया

मैसूरु/दक्षिण भारत। मैसूरु के 'जीतो आफ़िस' में कन्नड़ राज्योत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मां चामुंडेश्वरी के चित्र के सामने मैसूरु यातायात पुलिस के सह आयुक्त परशुरामापा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। जीतो मैसूरु चैप्टर चेयरमैन विनोद बाकलीवाल ने कन्नड़ ध्वज फहराकर सबको शुभकामनाएं दीं। इस मौक़े पर पूर्व जीतो मैसूरु चेयरमैन कांतिलाल जैन, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, सचिव प्रेम पालरेचा, सह ख़ज़ांची गौतम बागमार, लेडीज़ विंग चेयरपर्सन मोना भटेवरा, उप चेयरपर्सन सरिता बागमार, लेडीज़ विंग मुख्य सचिव रजनी डाकलिया, समाजसेवी कांतिलाल पटवारी एवं बडी संख्या में लोग मौजूद थे। सभी ने जीतो के इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि राजस्थानी लोग जहां भी जाते हैं, वे अपनी कर्मभूमि को नहीं भूलते एवं स्थानीय लोगों के साथ दूध और शक्कर की तरह घुलमिल जाते हैं।

रियल एस्टेट कंपनियां पर्यावरण अनुकूल निर्माण तकनीक अपनायें : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में अत्यधिक प्रदूषण को लेकर चिंता के बीच केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को रियल एस्टेट कंपनियों से पर्यावरण अनुकूल निर्माण तकनीक अपनाने के लिए कहा। साथ ही उन्होंने क्षेत्र के शीर्ष निकाय क्रेडाई को 20 प्रमुख शहरों की वायु गुणवत्ता पर निर्माण गतिविधियों के प्रतिकूल प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक टीम गठित करने का सुझाव दिया।

गोयल ने जमीन-जायदाद के विकास से जुड़ी कंपनियों का शीर्ष निकाय क्रेडाई के 25वें स्थापना दिवस को संबोधित करते हुए कंपनियों से शहरी क्षेत्रों में झुग्गी बस्तियों के प्रसार को रोकने के लिए कम किराये वाली आवासीय परियोजनाएं बनाने के लिए भी कहा। उन्होंने क्रेडाई सदस्यों को रियल एस्टेट विकास और पुनर्विकास में अवसरों का लाभ उठाने के लिए विदेशी बाजारों में दस्तक देने पर विचार करने का भी सुझाव दिया। गोयल ने कहा, ''मैंने क्रेडाई से कम-से-कम महानगरीय शहरों या देश के 20 प्रमुख शहरों में अध्ययन के लिए एक टीम गठित करने पर विचार करने के लिए कहा है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि निर्माण का प्रदषूण पर क्या प्रभाव है और क्या इससे हवा की गुणवत्ता खराब हो रही है।''

मंत्री ने कहा कि प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए स्टील और 'प्रीकास्ट फैब्रिकेशन' (पहले से तैयार) का उपयोग कर बेहतर निर्माण तकनीक को अपनाने की जरूरत है। बेहतर तकनीक अपनाने से निर्माण की गति बढ़ेगी। उन्होंने कहा, ''...यदि हम स्वैच्छिक रूप से से स्टील और 'प्रीकास्ट' संरचनाओं पर ध्यान दें तो आप अपना कारोबार बहुत तेजी से बढ़ा पाएंगे, अपने ग्राहकों को बेहतर ढंग से संतुष्ट कर पाएंगे और निर्माण की गुणवत्ता भी बेहतर होगी।''

गोयल ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि इससे हमें एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) और प्रदूषण स्तर को कम करने में मदद मिल सकती है।'' उन्होंने क्रेडाई से इसे एक मिशन के रूप में लेने और सरकार को रिपोर्ट करने का आग्रह किया।

गोयल ने किफायती किराये के घरों की आवश्यकता की भी बात कही। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि किराये का आवास एक और क्षेत्र है जहां सरकार भी आगे आने को इच्छुक है। हमने पहले एक योजना शुरू की है। आप अपने उद्योग के साथ इस पर चर्चा करने को इच्छुक हैं कि आगे चलकर किफायती किराये के आवास कैसे बना सकते हैं। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि किसी को भी झुग्गी में नहीं रहना पड़े।''

अमारा राजा इन्फ्रा ने लेह में भारत का पहला हरित हाइड्रोजन ईंधन स्टेशन स्थापित किया

मुंबई/भाषा। अमारा राजा इन्फ्रा ने एनटीपीसी लिमिटेड के लिए लेह में भारत के पहले हरित हाइड्रोजन ईंधन स्टेशन का निर्माण पूरा कर लिया है। कंपनी ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि केंद्रीय बिजली व आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को इस सुविधा का उद्घाटन किया। इसमें कहा गया, प्रतिदिन 80 किलोग्राम जीएच2 उत्पादन क्षमता वाले ईंधन स्टेशन परियोजना को दो साल में समुद्र तल से 3,400 मीटर की ऊंचाई पर विषम स्थितियों में पूरा किया गया, जहां तापमान शून्य से नीचे 25 डिग्री सेल्सियस से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच था। अमारा राजा इन्फ्रा प्राइवेट लिमिटेड के कारोबार प्रमुख (पावर ईपीसी) द्वारकानाथ रेड्डी ने कहा, '' इस चुनौतीपूर्ण परियोजना के पूरा होने से हमारी ईपीसी विशेषज्ञता की पुष्टि हुई है और हम बहुत उत्साहित हैं कि हम हरित हाइड्रोजन बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में उतरने वाली पहली कंपनी हैं।''

'कौशल विवि के लिए अदाणी के 100 करोड़ के दान को स्वीकार नहीं करेगी तेलंगाना सरकार'

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए.रेवंत रेड्डी ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार यहां स्थापित की जा रही 'यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी' के लिए अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी द्वारा दिए जाने वाले 100 करोड़ रुपए के दान को स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि अडानी की घोषणा से अनावश्यक चर्चा को बढ़ावा मिला कि यदि दान स्वीकार कर लिया गया तो यह राज्य सरकार या मुख्यमंत्री के पक्ष में प्रतीत हो सकता है। उन्होंने कहा कि अभी तक तेलंगाना सरकार ने अदाणी समूह सहित किसी भी संगठन से अपने खाते में एक भी रुपया स्वीकार नहीं किया है। रेड्डी ने कहा, ''मैं और मेरे मंत्रिमंडल के सहयोगी ऐसी अनावश्यक चर्चाओं और स्थितियों में शामिल नहीं होना चाहते हैं, जिससे राज्य सरकार या मेरी छवि को नुकसान पहुंचे। इसीलिए राज्य सरकार की ओर से हमारे अधिकारी जयेश रंजन ने अदाणी को एक पत्र लिखा है।'' उन्होंने कहा, '' पत्र में लिखा है कि (वर्तमान) स्थिति और विवादों के कारण, तेलंगाना सरकार आपके (अदाणी) द्वारा उदारतापूर्वक दिए गए 100 करोड़ रुपए के दान को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है।''

जम्मू-कश्मीर

कांग्रेस का श्रीनगर में विरोध प्रदर्शन, राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) ने सोमवार को यहां पार्टी कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौलाना आजाद रोड स्थित पार्टी कार्यालय में एकत्र हुए और विरोध प्रदर्शन किया जिसका नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने किया।

कर्रा ने कहा, ''चुनाव से पहले, चुनाव प्रचार के दौरान और चुनाव के बाद...हमारे सिद्धांत एक जैसे रहे हैं। हम चाहते हैं कि अगस्त 2019 में हमसे छीने गए अधिकार और संवैधानिक गारंटी बहाल की जाए।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी केंद्र को चुनावों के बाद जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के उसके वादे की याद दिलाना चाहती है।

कर्रा ने कहा, ''संसद सत्र शुरू हो गया है। हम उन्हें (केंद्र को) जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के उनके वादे के बारे में याद दिलाना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने केंद्र को जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने का निर्देश दिया है और सरकार को शीर्ष अदालत के फैसले का सम्मान करना चाहिए।

आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में 26 से 29 नवंबर तक भारी बारिश का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में 26 से 29 नवंबर तक चार दिनों तक भारी बारिश का अनुमान जताया है। आईएमडी ने सोमवार को बताया कि बंगाल की खाड़ी के समुद्र में एक अवदाब (डिप्रेशन) के प्रभाव के कारण भारी बारिश का अनुमान है।

मौसम विभाग ने मंगलवार से शुक्रवार तक दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश (एससीएपी) और रायलसीमा के कुछ हिस्सों में भारी बारिश का अनुमान जताया है। इसके अलावा 29 नवंबर को उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश (एनसीएपी) और यनम क्षेत्र में भी बारिश के आसार हैं। आईएमडी ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''कल (रविवार) बंगाल की खाड़ी के दक्षिणी भाग और समीपवर्ती पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर के मध्य क्षेत्रों पर बना निम्न दबाव का क्षेत्र पश्चिम से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया और तीव्र होकर अवदाब में बदल गया है।'' आईएमडी ने भारी बारिश के अलावा 27 से 29 नवंबर तक राज्यभर में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बौछारें पड़ने का भी अनुमान जताया है और यह एससीएपी और रायलसीमा तक सीमित रहेगी।

अदाणी की पांच कंपनियों के शेयर टूटे, अदाणी ग्रीन एनर्जी में आठ प्रतिशत का नुकसान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह की पांच कंपनियों के शेयर सोमवार को गिरकर बंद हुए। अदाणी ग्रीन एनर्जी में सबसे अधिक आठ प्रतिशत की गिरावट आई।

फ्रांस की दिग्गज ऊर्जा कंपनी टोटलएनर्जीज एसई ने कहा कि वह अदाणी समूह की कंपनियों में अपने निवेश तहत तब तक कोई नया वित्तीय योगदान नहीं करेगी, जब तक कि भारतीय फर्म के संस्थापक रिश्वत के आरोपों से मुक्त नहीं हो जाते। इसके बाद अदाणी समूह के शेयरों पर दबाव देखने को मिला। अदाणी ग्रीन एनर्जी का शेयर 8.05 प्रतिशत गिरकर 967.65 रुपए पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में कंपनी का शेयर 11 प्रतिशत गिरकर 932.90 रुपए के निचले स्तर पर आ गया था। टोटलएनर्जीज अरबपति गौतम अदाणी के व्यापारिक समूह में सबसे बड़े विदेशी निवेशकों में से एक है। इसने पहले समूह के नवीकरणीय ऊर्जा उद्यम अदाणी ग्रीन एनर्जी लि. और शहर गैस वितरण इकाई अदाणी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) में हिस्सेदारी ली थी। बीएसई पर अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 3.78 प्रतिशत गिरकर 624.85 रुपए पर और अदाणी पावर 3.02 प्रतिशत गिरकर 446.85 रुपए पर आ गया। बीएसई पर एनडीटीवी का शेयर 2.07 प्रतिशत गिरकर 166.60 रुपए पर और अदाणी टोटल गैस 1.43 प्रतिशत गिरकर 600.75 रुपए पर बंद हुआ।

क्रेडाई देश में 1,000 सरकारी स्कूलों को आधुनिक बनाएगा

नई दिल्ली/भाषा। रियल एस्टेट कंपनियों का शीर्ष संगठन क्रेडाई देशभर में 1,000 सरकारी स्कूलों को आधुनिक बनाएगा। क्रेडाई ने 25वें स्थापना दिवस के मौके पर यह घोषणा की। कनफेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशंस ऑफ इंडिया ने कहा कि उसने इन 1,000 स्कूलों के लिए गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) के साथ भागीदारी की है। इसके तहत स्मार्ट कक्षाएं स्थापित किये जाने के साथ छात्रों के लिए शुद्ध पानी और आधुनिक शौचालयों की सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी।

क्रेडाई ने हरित भवनों के निर्माण और शहरी वन क्षेत्र बनाने के लिए पेड़ लगाने के साथ निर्माण क्षेत्र में काम करने वाले कामगारों को कुशल बनाने की भी घोषणा की। क्रेडाई के निर्वाचित अध्यक्ष शेखर पटेल ने कहा कि स्मार्ट कक्षाओं, पानी और बेहतर सुविधाओं के प्रावधान के लिए प्रत्येक स्कूल में लगभग 11 लाख रुपए का निवेश होगा। पटेल ने कहा कि क्रेडाई ने पहले ही एक एनजीओ के साथ समझौता कर लिया है। इसके तहत गुजरात में 50 स्कूलों को उन्नत किया गया है। इसके साथ देश में हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने तथा कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने को लेकर हरित भवनों के निर्माण और शहरी वन बनाने के लिए पेड़ लगाने का भी कार्य किया जाएगा।

25% से अधिक मोबाइल ग्राहकों ने कहा, अवांछित कॉल में कमी आई : सर्वेक्षण

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की बिना पंजीकरण वाली टेलीमार्केटिंग कंपनियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के बाद लगभग 27 प्रतिशत मोबाइल ग्राहकों ने अवांछित कॉल में कमी का अनुभव किया है। ऑनलाइन मंच 'लोकलसर्किल्स' के एक सर्वेक्षण में यह निष्कर्ष निकाला गया है। ज्यादातर ग्राहकों ने हालांकि कहा कि अवांछित कॉल से अभी तक कोई राहत नहीं मिली है, इसके बजाय रोबो कॉल में वृद्धि हुई है। सोमवार को जारी सर्वेक्षण के नतीजों में यह जानकारी दी गई। कंप्यूटर आधारित ऑटोडायलर का इस्तेमाल करके पहले से रिकॉर्ड संदेश भेजने को रोबोकॉल करते हैं। सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, केवल नौ प्रतिशत मोबाइल ग्राहकों ने कहा कि दूरसंचार नियामक प्राधिकरण के फर्जी कॉल भेजने वालों को प्रतिबंधित करने के बाद अवांछित कॉल में शुद्ध रूप से कमी आई है। लगभग 18 प्रतिशत ग्राहकों ने अवांछित कॉल में कमी की पुष्टि की, लेकिन स्वचालित और रोबो कॉल में वृद्धि का अनुभव किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन

नाम परिवर्तन

मैं YEERA VALANGINI (existing name) माता Army No. JC-779393M RANK NB/Sub Name YERRA ATCHI BABU of 515 Army Base Wksp and निवासी H.No. 34-14-49, Manual Street, Gnananpuram, Visakhapatnam Urban Mandal, Visakhapatnam, Dist, State of Andhra Pradesh (A.P.) pin 530004 घोषित करती हूँ कि मैंने मेरा नाम YEERA VALANGINI गलत हुआ है। मेरे आधार कार्ड के मुताबिक मेरा सही नाम YEERA VELANGINI यह है। ये दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है।
Declare vide Affidavit Certificate No. IN-KA73922280862212W Dated 21 Nov 2024.

कांग्रेस के जिन नेताओं ने मुझे परेशान किया वे चुनाव हार गए: भाजपा सांसद अशोक चव्हाण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने सोमवार को कहा कि जब वह कांग्रेस में थे तो पार्टी की राज्य ईकाई के जिन नेताओं ने उन्हें परेशान किया वे विधानसभा चुनाव हार गए हैं। नांदेड़ में अपने समर्थकों की एक बैठक को संबोधित करते हुए चव्हाण ने कहा कि लोगों ने भाजपा में शामिल होने के लिए उनकी आलोचना की थी, लेकिन इसके बावजूद पार्टी एकतरफा चुनाव जीतने में सफल रही। भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए 288 में से 230 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) वाली विपक्षी महाविकास आघाडी को करारी हार का सामना करना पड़ा और वह सिर्फ 46 सीटें ही जीत पाई।

कांग्रेस सिर्फ 16 सीट पर ही सिमट गई। यहां तक कि इसके वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण और बालासाहेब थोरात भी क्रमशः कराड दक्षिण और संगमनेर सीट पर हार गए। कांग्रेस की महाराष्ट्र ईकाई के प्रमुख नाना पटोले सांकोली सीट पर मात्र 208 मतों के मामूली अंतर से ही जीत पाए। भाजपा नेता ने कहा, ''पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण और पूर्व राजस्व मंत्री बालासाहेब थोराट चुनाव हार गए। मुझे परेशान करने वाले सभी हार गए इसलिए कोई मुझे परेशान न करे।''

ईवीएम को हैक किया जा सकता है इसलिए मतपत्रों से हो चुनाव : हिमाचल के मुख्यमंत्री सुक्खू

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की कार्यप्रणाली पर संदेह को दूर करने के लिए मतपत्रों का इस्तेमाल कर चुनाव कराए जाने चाहिए क्योंकि तकनीक को हैक किया जा सकता है।

सुक्खू ने यहां संवाददाताओं से कहा, ईवीएम निर्माताओं ने उत्पादन बंद कर दिया है और अगर उनके कामकाज पर संदेह है तो आम जनता की मांग पर मत पत्रों का इस्तेमाल कर चुनाव कराए जाने चाहिए। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महायुति गठबंधन ने 288 में से 230 सीट पर जीत हासिल की थी, जिसके कुछ दिनों मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी की। चुनाव में विपक्षी महाविकास आघाड़ी (एमवीए) के खाते में 46 सीटें आयीं। सुक्खू ने कहा, किसी भी तकनीक को हैक किया जा सकता है और यहां तक कि एलन मस्क(सोशल मीडिया कंपनी 'एक्स' के मालिक) ने भी यह बात कही है। कांग्रेस, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शरदचंद्र पवार के कई नेताओं ने ईवीएम के कामकाज में अनियमितताओं का आरोप लगाया और दावा किया कि मशीनों के खिलाफ बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आई हैं।

वकील की आत्महत्या के बाद डीएसपी पर मामला दर्ज, पुलिस आयुक्त ने दिए जांच के आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक भोवी विकास निगम घोटाले में पूछताछ के दौरान एक पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) पर कपड़े उतरवाने का आरोप लगाने वाली एक महिला वकील की आत्महत्या के मामले में डीएसपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

महिला वकील ने डीएसपी पर 25 लाख रुपये की रिश्वत मांगने का भी आरोप लगाया था। बनशंकरी पुलिस ने 33 वर्षीय वकील जीवा एस के शहर के राघवेंद्र लेआउट स्थित आवास से मिले सुसाइड नोट के आधार पर आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) की डीएसपी कनकलक्ष्मी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

प्राथमिकी दर्ज किये जाने के बाद, पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने आरोपी पुलिस अधिकारी के खिलाफ केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) द्वारा जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस के अनुसार, 18 मार्च 2023 को सिद्धपुरा क्षेत्र की सूर्यकलावती के एन की शिकायत के आधार पर शहर के सिद्धपुरा थाने में मामला दर्ज किया गया था। सूर्यकलावती ने आरोप लगाया कि उसके ही इलाके की दो महिलाओं सरस्वती और लक्ष्मी ने अक्टूबर 2021 में उससे संपर्क किया और कहा कि वह भोवी विकास निगम से ऋण ले सकती है, ऋण स्वीकृत होने के बाद उसे 25,000 रुपये की रिश्वत देनी होगी। सूर्यकलावती ने आवश्यक दस्तावेज और दो खाली चेक जमा किए और खाली कागजों पर हस्ताक्षर किए। सूर्यकलावती उन 40 महिलाओं में से एक थी, जिनसे सरस्वती और लक्ष्मी ने संपर्क किया था।

एक महीने बाद आरोपी महिलाओं ने सूर्यकलावती को बताया कि उसे 50,000 रुपये मंजूर किये गये थे और समझौते के अनुसार उसके खाते से 25,000 रुपये निकाल लिये गये हैं। दिसंबर 2022 में भोवी विकास निगम के अधिकारियों ने सूर्यकलावती से संपर्क किया और कहा कि उन्हें उनके द्वारा लिए गए पांच लाख रुपये के ऋण को चुकाना होगा। यह जानकर सूर्यकलावती हैरान रह गईं और बैंक गईं, जहां उन्हें पता चला कि निगम ने उनके खाते में पांच लाख रुपये जमा कर दिए हैं। इनमें से 4,75,000 रुपए न्यू ड्रीम्स एंटरप्राइजेज को ट्रांसफर किए गए। सूर्यकलावती की शिकायत के आधार पर सीआईडी ने जांच शुरू की। जांच के दौरान कई लोगों से पूछताछ की गई और उनमें से एक वकील जीवा भी थीं। उन्हें कथित तौर पर पूछताछ के लिए बुलाया गया था। जीवा की बहन संगीता एस ने डीएसपी कनकलक्ष्मी के खिलाफ शिकायत की थी। संगीता ने आरोप लगाया कि उनकी बहन के कपड़े उतरवाकर यह जांच की गई कि कहीं उसके पास साइनाइड तो नहीं है, तथा 25 लाख रुपए की रिश्वत देने के लिए उसे प्रताड़ित किया गया।

कोप्पल जिला स्टेडियम में 8 दिसंबर तक होगी अग्निवीर भर्ती रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। सेना भर्ती कार्यालय, बेलगाम द्वारा 26 नवंबर से 08 दिसंबर तक जिला स्टेडियम, कोप्पल में अग्निवीर भर्ती रैली आयोजित की जाएगी। सेना द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, मुख्यालय भर्ती क्षेत्र, बेंगलूरु और नागरिक प्रशासन के तत्वावधान में कर्नाटक के बेलगावी, बीदर, कलबुर्गी, यादगीर, रायचूर और कोप्पल जिलों के चयनित उम्मीदवारों के लिए भर्ती होगी।

यह रैली अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर टेक्निकल, अग्निवीर ट्रेड्समैन 10वीं पास, अग्निवीर ट्रेड्समैन 8वीं पास, अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर टेक्निकल श्रेणियों/सेना में प्रवेश के लिए आयोजित की जाएगी। सेना में निर्दिष्ट श्रेणियों में नामांकन के लिए आयु, शैक्षिक योग्यता और अन्य मानदंडों का विवरण सेना भर्ती कार्यालय, बेलगाम द्वारा 12 फरवरी को प्रकाशित रैली अधिसूचना के अनुसार है। ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा परिणाम के लिए वेबसाइट ज्वाइन इंडियन आर्मी डॉट एनआईसी डॉट इन है। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को एडमिट कार्ड पहले ही जारी कर दिए गए हैं। ये कार्ड ज्वाइन इंडियन आर्मी वेबसाइट पर भी उपलब्ध होंगे, जिन्हें व्यक्तिगत अकाउंट और रजिस्टर्ड ईमेल आईडी पर लॉग इन कर एक्सेस किया जा सकता है।

उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे किसी भी दलाल या बिचौलिए के झांसे में न आएं। चयन ऑनलाइन सीईई, भर्ती रैली के दौरान आयोजित परीक्षणों और अंतिम योग्यता के दौरान उम्मीदवारों के प्रदर्शन पर आधारित होगा।

बेंगलूरु में सोमवार को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार कार्तिक सोमवार समारोह के हिस्से के रूप में बुल टेम्पल रोड पर कदलेकै परीशे (मूंगफली महोत्सव) के उद्घाटन के दौरान जयनगर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक केसी राममूर्ति से बातचीत करते हुए।

भाजपा की केरल इकाई के नेताओं ने पलक्काड़ सीट से प्रत्याशी के चयन को लेकर सवाल उठाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/कोझिकोड। केरल में पलक्काड़ विधानसभा सीट पर उपचुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कुछ नेताओं ने उम्मीदवार के चयन पर सवाल उठाए हैं। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राहुल ममकुटथिल ने भाजपा का गढ़ माने जाने वाली पलक्काड़ सीट पर हालिया उपचुनाव में 18,000 से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की। पिछले कुछ चुनावों में दूसरे स्थान पर रहने के कारण भाजपा को इस सीट पर जीत की उम्मीद थी। पलक्काड़ उपचुनाव में खराब प्रदर्शन को लेकर अपनी प्रदेश इकाई से बढ़ते दबाव के बीच, भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख के. सुरेंद्रन ने सोमवार को कोझिकोड में संवाददाता सम्मेलन किया और कहा कि वह हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हैं।

सुरेंद्रन ने कहा, यदि मेरी ओर से कोई गलती हुई है तो उसकी पड़ताल होनी चाहिए। इस सिलसिले में मेरी ओर से कोई अड़चन नहीं है। हालांकि, उन्होंने मीडिया में आई उन खबरों को सीधे तौर पर खारिज नहीं किया, जिनमें कहा गया है कि वह प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने को इच्छुक हैं। वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने केरल इकाई और इसके प्रमुख का समर्थन करते हुए कहा कि उन्होंने हालिया उपचुनाव में अच्छी टक्कर दी। भाजपा ने केरल में पार्टी के मजबूत गढ़ों में से एक माने जाने वाले पलक्कड़ में हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए सुरेंद्रन द्वारा पद छोड़ने की इच्छा व्यक्त किए जाने की खबरों को खारिज कर दिया। पार्टी ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) एवं कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) पर अफवाहें फैलाने का आरोप लगाया। भाजपा की चिंता बढ़ाते हुए वाम मोर्चा ने इस सीट पर अपने प्रदर्शन में सुधार किया है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और केरल में पार्टी के प्रभारी प्रकाश जावड़ेकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, कोई भी इस्तीफा नहीं दे रहा और न ही पार्टी ने किसी से इस्तीफा मांगा है। जावड़ेकर ने कहा, भाजपा ने केरल में हाल में हुए उपचुनावों में अच्छी टक्कर दी और महाराष्ट्र में भारी जनादेश प्राप्त किया।

हम 2026 में पलक्काड़ और कई अन्य विधानसभा सीट जीतेंगे। हम केरल की राजनीति में बदलाव लाने के लिए यहां हैं। लोग भाजपा की ओर उम्मीद से देख रहे हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने दावा किया कि 15 लाख से अधिक मतदाता 'मिस्ड कॉल' और पूरा विवरण देकर स्वेच्छा से भाजपा के सदस्य बने हैं। जावड़ेकर ने कहा, हमारा सदस्यता अभियान जोरदार तरीके से जारी रहेगा। उनका यह बयान इन खबरों के बीच आया है कि इस हार के कारण भाजपा की केरल इकाई में सुरेंद्रन के खिलाफ व्यापक असंतोष है।

पार्टी के भीतर सुरेंद्रन के आलोचकों का आरोप है कि उन्होंने पलक्काड़ सीट के लिए अपने पसंदीदा उम्मीदवार सी कृष्णकुमार को मैदान में उतारने का एकतरफा फैसला किया। वहीं, सुरेंद्रन ने कहा कि यह केंद्रीय नेतृत्व को तय करना है कि वह अपना कार्यकाल पूरा करेंगे या नहीं।

उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, केंद्रीय नेतृत्व द्वारा लिये जाने वाले किसी भी फैसले को मैं स्वीकार करूंगा। सुरेंद्रन ने कहा कि प्रदेश प्रमुख होने के नाते हालिया उपचुनाव में सभी तीन निर्वाचन क्षेत्रों-- वायनाड लोकसभा सीट, पलक्कड़ और चेल्लाकारा विधानसभा सीट पर उम्मीदवारों के चयन, प्रचार और इसके बाद आये नतीजों के लिए वह प्राथमिक रूप से जिम्मेदार हैं। प्रदेश भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने उम्मीदवार के नाम की घोषणा से पहले पार्टी नेता शोभा सुरेंद्रन को उम्मीदवार बनाए जाने की सार्वजनिक रूप से वकालत की थी। टेलीविजन पर भाजपा के लोकप्रिय चेहरे संदीप जी वारियर ने कृष्णकुमार को उम्मीदवार बनाए जाने के विरोध में इस्तीफा दे दिया था और वह उपचुनाव से ठीक पहले कांग्रेस में शामिल हो गए थे जिससे भाजपा को बड़ा झटका लगा।

निर्वाचन आयोग के अनुसार, ममकुटथिल को 58,389 वोट मिले, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सी कृष्णकुमार को 39,549 वोट मिले। वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के डॉ. पी. सरीन 37,293 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

केंद्र का वक्फ संशोधन विधेयक संपत्ति को 'हड़पने' के लिए बनाया गया है : एआईएमपीएलबी का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र का वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 देश भर में वक्फ संपत्तियों को हड़पने के इरादे से तैयार किया गया है। एआईएमपीएलबी के प्रवक्ता एस. क्यू. आर. इलियास ने वक्फ मामले को लेकर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) पर अपना काम ईमानदारी से नहीं करने का भी आरोप लगाया। इलियास ने यहां संवाददाताओं से कहा, बोर्ड के सम्मेलन में महसूस किया गया कि वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को पूरे देश में फैली वक्फ संपत्ति को हड़पने के लिए चतुराई से तैयार किया गया है।

वह एआईएमपीएलबी के 29वें अधिवेशन के संबंध में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। एआईएमपीएलबी का 29वां अधिवेशन रविवार को बेंगलूरु में संपन्न हुआ। इलियास ने कहा कि प्रस्तावित सभी 44 संशोधन और उनकी उप-धाराएं वक्फ संपत्ति के दर्जे को खत्म करने और हेरफेर करने के इरादे से तैयार की गई हैं।

उन्होंने दावा किया कि हितधारकों के सुझाव प्राप्त करने के लिए गठित जेपीसी उन लोगों को समय और तवज्जो दे रही है, जिनका इस मुद्दे पर कोई अधिकार नहीं है और वे पक्षपातपूर्ण तरीके से व्यवहार कर रहे हैं तथा नियमों एवं मानदंडों का उल्लंघन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें लगता है कि जेपीसी अपना काम ईमानदारी से नहीं कर रही है। पूर्व के अवसरों का हवाला देते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि यह पहली बार है कि विधेयक किसी मुस्लिम संगठन से परामर्श किये बिना लाया गया है। इलियास के अनुसार, एआईएमपीएलबी के एक प्रतिनिधिमंडल ने पूर्ण समिति से मुलाकात की और विधेयक पर अपनी आपत्तियां प्रस्तुत कीं। प्रतिनिधिमंडल ने विधेयक के अपने अध्ययन के आधार पर 211 पन्नों का विस्तृत दस्तावेज भी प्रस्तुत किया। इलियास ने कहा कि जेपीसी ने हितधारकों के बजाय पूरे देश के सभी नागरिकों से सुझाव आमंत्रित किए हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सभी प्रयासों के बावजूद विधेयक पारित हो जाता है, तो वे संशोधनों को वापस लेने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव बनाने के मकसद से सभी उपलब्ध कानूनी, संवैधानिक और लोकतांत्रिक साधनों का प्रयोग करेंगे। उन्होंने कहा, हमारे सभी प्रयासों, विरोधों के बावजूद अगर विधेयक पारित हो जाता है... तो मुस्लिम समुदाय भारत के संविधान की सीमाओं के भीतर हर संभव कदम उठाने को बाध्य हो जाएंगे। वे भारत के संविधान के ढांचे के तहत सभी कानूनी, संवैधानिक और लोकतांत्रिक कदम उठाएंगे। एआईएमपीएलबी ने कहा कि सबसे पहले ये निर्णय लिया गया है कि उसका पूरा नेतृत्व और सभी पदाधिकारी संसद के समक्ष धरना देंगे। उन्होंने कहा, हमने मुस्लिम विपक्ष के प्रदेश नेतृत्व से अपील की है कि वे अपने अपने विधानसभा के सामने धरना दें। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को अस्वीकार्य बताते हुए इलियास ने कहा कि यह संविधान में मौलिक अधिकारों के तहत प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता और सांस्कृतिक विविधता के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि बोर्ड स्पष्ट शब्दों में यह कहता है कि यह मुस्लिम समुदाय को अस्वीकार्य है, क्योंकि वे शरिया कानून से कभी समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, बोर्ड इस हस्तक्षेप को भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की सोची-समझी साजिश मानता है जिसके गंभीर नतीजे होंगे। एआईएमपीएलबी ने धार्मिक स्थलों से संबंधित विवादों पर भी विचार-विमर्श किया। पूजा स्थल अधिनियम का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह अधिनियम घोषित करता है कि पूजा स्थल का धार्मिक चरित्र वैसा ही बना रहेगा जैसा वह आजादी पाने के दिन था।

उन्होंने कहा, एआईएमपीएलबी ने देश के विभिन्न हिस्सों से वादियों को झूठे दावे करने से नहीं रोका है, जिसमें वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद, मथुरा में शाही ईदगाह, मध्य प्रदेश में भोजशाला कमाल मौला मस्जिद, लखनऊ में तेलीवाली मस्जिद और अब उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद शामिल हैं, जहां अदालत ने मस्जिद का सर्वेक्षण करने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा, संभल की जामा मस्जिद को लेकर हिंदू वादियों का दावा है कि ये मस्जिद एक मंदिर को ध्वस्त करने के बाद बनाई गई थी, जिसके कारण हिंसक झड़पें हुईं और गोलीबारी में तीन मुस्लिम प्रदर्शनकारियों की जान चली गई।

केरल में बाल यौन शोषण के मामलों में वृद्धि देखी गई: बाल अधिकार समिति की रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केरल राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा हाल ही में जारी रिपोर्ट दिखाती है कि राज्य में बच्चे स्कूल और घरों में भी सुरक्षित नहीं है क्योंकि केरल में बच्चों के यौन शोषण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार ऐसे 21 प्रतिशत मामलों में बच्चे घरों और चार प्रतिशत मामलों में स्कूल में यौन शोषणा का शिकार हुए। इस रिपोर्ट में चौंकाने वाले तथ्य उजागर होने के बाद राज्य की बाल अधिकार समिति को माता-पिता, शिक्षकों और पुलिस अधिकारियों के बीच बाल शोषण को लेकर जागरुकता बढ़ाने की जरूरत है।

रिपोर्ट में कहा गया, यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज 4,663 मामलों के विश्लेषण में पाया गया कि इनमें से 988 (21 प्रतिशत) घटनाएं बाल गृहों में, 725 (15 प्रतिशत) आरोपियों के घरों में और 935 (20 प्रतिशत) सार्वजनिक स्थानों पर हुईं। रिपोर्ट में यह उल्लेख किया गया कि 173 मामलों में अपराध स्कूलों में, 139 वाहनों में, 146 विभिन्न अन्य स्थानों पर और 166 सुनसान जगह क्षेत्रों में हुआ। इसके अतिरिक्त, 60 मामले में बच्चे होटल, 72 मामले में दोस्त के घरों, 73 मामलों में धार्मिक संस्थानों, 16 मामलों में अस्पतालों और आठ प्रतिशत बाल देखभाल संस्थानों में यौन शोषण के अपराध का शिकार हुए।

रिपोर्ट में कहा गया कि हालांकि, 791 (17 प्रतिशत) मामलों में अपराध के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं है। केरल में 2023 में कुल पॉक्सो के तहत 4663 मामले दर्ज किए गए। रिपोर्ट में कहा गया कि पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, तिरुवनंतपुरम जिले में सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए, जबकि पथनमथिट्टा जिले में सबसे कम मामले दर्ज किए गए।

पॉक्सो में दर्ज किए गए 4,663 मामलों में पीड़ित बच्चों की संख्या 4,701 थी जो दिखाता है कि कई मामलों में एक से अधिक पीड़ित थे। रिपोर्ट में कहा गया, यह आंकड़ा दिखाता है कि बच्चों को पॉक्सो और बच्चों के अनुकूल प्रक्रियाओं के बारे में जागरूक करने और उन्हें आत्मरक्षा संबंधी प्रशिक्षण प्रदान करने की जरूरत। पिछले वर्षों से इन आंकड़ों की तुलना करें तो पता चलेगा कि इस तरह के मामलों में वृद्धि हुई है।

कर्नाटक में कन्नड़ फिल्म 'कंतारा' के छह कलाकार दुर्घटना में घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उडुपी (कर्नाटक)। उडुपी जिले में एक बस के पलट जाने से उसमें सवार कन्नड़ फिल्म 'कंतारा' के प्रीक्वल के छह जूनियर कलाकार घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकरी दी। पुलिस के अनुसार, रविवार रात फिल्म की टीम को ले जा रही मिनी बस जडकल के समीप पलट गई।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, यह घटना उस समय हुई जब वे जडकल के मुदूर में शूटिंग पूरी करने के बाद कोल्लूर लौट रहे थे। मिनी बस में 20 जूनियर कलाकार सवार थे। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद घायलों को उपचार के लिए जडकल और कुंदापुर के अस्पतालों में ले जाया गया। कोल्लूर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कांग्रेस के 'झूठे प्रचार' के बावजूद एलडीएफ ने उपचुनाव में अच्छा प्रदर्शन किया : विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि कांग्रेस नीत यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) की ओर से सरकार के खिलाफ झूठा प्रचार किए जाने और अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए सांप्रदायिक संगठनों से हाथ मिलाने के बावजूद सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ने राज्य में हुए उपचुनावों में बेहतर प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि एलडीएफ ने चेलाक्कारा विधानसभा क्षेत्र में उल्लेखनीय जीत दर्ज की, जबकि पलक्कड़ सीट कांग्रेस ने जीती। उन्होंने कहा कि हालांकि, पलक्कड़ में एलडीएफ अपना मत प्रतिशत बढ़ा सकता था।

विपक्षी मोर्चे पर कटाक्ष करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नीत यूडीएफ ने जोरदार प्रचार किया था कि उपचुनाव राज्य सरकार का मूल्यांकन होगा, लेकिन क्या हुआ। विजयन ने यहां पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यूडीएफ ने चेलाक्कारा सीट को जीतने के लिए पूरा जोर लगा दिया और प्रचार के दौरान इस निर्वाचन क्षेत्र को सबसे ज्यादा महत्व दिया। विजयन ने सवाल किया, फिर, जब नतीजे जारी हुए हुए तो क्या हुआ? उन्होंने विपक्षी मोर्चे पर आरोप लगाया कि पलक्कड़ और चेलाक्करा विधानसभा सीट और वायनाड लोकसभा क्षेत्र में हुए उपचुनावों में एलडीएफ को हराने के लिए उसने सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) और जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठनों से हाथ मिलाया।

उन्होंने कहा कि अगर उपचुनाव के नतीजों का समग्र विश्लेषण किया जाए तो समझा जा सकता है कि राज्य के लोग वामपंथी सरकार के साथ मजबूती से खड़े हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन की तुलना में यूडीएफ उम्मीदवार चेलाक्कारा में अपना मत प्रतिशत बरकरार नहीं रख पाया, लेकिन एलडीएफ उम्मीदवार उल्लेखनीय अंतर से अपनी जीत सुनिश्चित कर सकता था।

मां चामुंडेश्वरी के लिए सोने के रथ का प्रस्ताव पेश करें अधिकारी : सिद्दरामय्या का निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने हिंदू धार्मिक बंदोबस्ती विभाग को राज्य की अधिष्ठात्री देवी चामुंडेश्वरी के लिए सोने का रथ बनाने का प्रस्ताव पेश करने का निर्देश दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह निर्देश विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) दिनेश गुलीगौडा के अनुरोध पर जारी किया गया है, जिन्होंने मैसूरु में चामुंडी पहाड़ी पर स्थित चामुंडेश्वरी मंदिर के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला था, जिसका इतिहास 12वीं शताब्दी का है।

गुलीगौडा ने कहा था कि तमिलनाडु के कोयंबटूर से आए श्रद्धालुओं द्वारा दान किया गया मौजूदा लकड़ी का रथ समय के साथ खराब हो गया है। उन्होंने कहा, श्रद्धालुओं ने देवी चामुंडेश्वरी के लिए सोने के रथ का उपयोग करके एक 'रथोत्सव' आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की है। यह प्रस्ताव कुछ समय से विचाराधीन है, जिसकी अनुमानित लागत 100 करोड़ रुपये है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार की वित्तीय भागीदारी की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि श्रद्धालु रथ को एक वास्तविकता बनाने के लिए योगदान देने के लिए तैयार हैं।

कन्नूर में एक घर से एक करोड़ रुपये नकद और सोने के 300 गिन्नी की चोरी

कन्नूर। केरल के कन्नूर जिले में चोरों के एक गिरोह ने वालापट्टनम में एक व्यवसायी के घर से एक करोड़ रुपये की नकदी और सोने की 300 गिन्नियां चुरा लिए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक चोरी की यह घटना उस समय हुई जब व्यवसायी और उसका परिवार एक विवाह समारोह में भाग लेने के लिए तमिलनाडु के मदुरै गए हुए थे। उन्होंने बताया कि चोरी का पता तब चला जब रविवार रात को व्यवसायी का परिवार घर लौटा और लॉकर में रखा कीमती सामान गायब पाया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि घर के सभी लोग 19 नवंबर से ही घर से बाहर थे। और संदेह है कि चोरों ने रसोई की खिड़की की ग्रिल काटकर घर में प्रवेश किया।

दीपोत्सव

बेंगलूरु में सोमवार को संपगीरामनगर कल्याणी मंदिर में कार्तिक महीने के आखिरी सोमवार को लक्ष दीपोत्सव मनाने के लिए भक्तों ने दीपक जलाए।

शिक्षा के क्षेत्र में राज्य को बनाएंगे मॉडल स्टेट : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में शिक्षा की अहम भूमिका है, क्योंकि आज के बच्चे ही भविष्य के नागरिक होते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए नवीन तकनीकों का उपयोग करने के साथ ही, खाली पदों पर भर्ती तथा स्कूलों में कक्षा-कक्षों का निर्माण कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि हम नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने तथा शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान को मॉडल स्टेट बनाने हेतु विभिन्न स्तरों पर कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को विभागीय बजट घोषणाओं को त्वरित गति से पूरा करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में शिक्षण कार्य सुचारू रूप से चले इस हेतु सत्र के प्रारंभ में ही विद्यार्थियों को लगभग साढ़े 3 करोड़ पाठ्यपुस्तकों का निःशुल्क वितरण किया गया है तथा कक्षा 1 से 8 के समस्त विद्यार्थियों एवं 9 से 12 तक की बालिकाओं को स्कूल बैग भी दिए जाएंगे। शर्मा ने कहा कि आगामी माह में 1 लाख 25 हजार बालिकाओं को साइकिल वितरित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सभी विद्यालयों में शिक्षण की गुणवत्ता बेहतरीन करने हेतु सरकार खाली पदों पर भर्ती कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में अब तक लगभग साढ़े 20 हजार पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं तथा लगभग 18 हजार पदों पर पदोन्नति की गई है। प्राध्यापक स्कूल शिक्षा, पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड 2 एवं ग्रेड 3 तथा वरिष्ठ अध्यापक के कुल 5 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। साथ ही, विभिन्न संवर्गों में चयनित 515 अभ्यर्थियों को दिसम्बर माह में नियुक्तियां दे दी जाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को रिक्त पदों पर चरणबद्ध रूप से भर्ती करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य के सभी स्कूलों में शिक्षकों और विद्यार्थियों की संख्या का सर्वे करवाकर विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में शिक्षकों की नियुक्ति की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के ड्रेस कोड में एकरूपता लाई जाए। मुख्यमंत्री ने स्कूलों में कक्षा कक्षों तथा बालिका विद्यालयों में शौचालयों की स्थिति का भौतिक सत्यापन कर आवश्यकतानुसार उनकी मरम्मत और नव निर्माण करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भौतिक सत्यापन के कार्य में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। शर्मा ने विद्यालयों में सुरक्षा और अनुशासन बनाए रखने की दृष्टि से चरणबद्ध रूप से सीसीटीवी कैमरे लगवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में भामाशाहों का भी सहयोग लिया जाए। बैठक में शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल ने मुख्यमंत्री को स्कूल शिक्षा विभाग की विभिन्न उपलब्धियों और नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत विभाग को 12 हजार 400 करोड़ रूपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। हरियालो राजस्थान तथा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विभाग द्वारा रिकॉर्ड संख्या में वृक्षारोपण किया गया। साथ ही राज्य के 1.34 करोड़ विद्यार्थियों ने सूर्य नमस्कार कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। इसके अतिरिक्त, विभाग द्वारा शाला स्वास्थ्य सर्वेक्षण प्रखर राजस्थान रीडिंग कैम्पेन, पीएमविद्यालय, शाला सम्बलन एप, खेल प्रतियोगिता एवं ई-पाठशाला कार्यक्रम सहित अन्य नवाचार भी किए जा रहे हैं।

राजस्थान में वरिष्ठ और युवा नेता हो रहे हैं षडयंत्र के शिकार

■ बाल मुकुंद जोशी
dakshinbharat.com

किरोड़ी लाल मीणा

हनुमान बेनीवाल

नरेश मीणा

राजस्थान में क्या गहरी साजिश के तहत वरिष्ठ, जुझारू नेताओं और उभरते युवा नेताओं को किनारे लगाया जा रहा है? ऐसे षड्यंत्रों का ताजा शिकार हाल ही में हुए उपचुनावों में डॉ.किरोडी लाल मीणा, हनुमान बेनीवाल और नरेश मीणा हुए हैं, ऐसा लगता है । इससे पहले विधानसभा चुनाव में राजेंद्र राठौड़ और सुभाष महरिया को भी ठिकाने लगाया गया था। इस सूबे में कांग्रेस-भाजपा के कई वरिष्ठ नेता पहले से ही 'भविष्य के नेताओं' को बिछात बिछाने नहीं दे रहे हैं। ऊपर से अब ताजा-ताजा नये बने 'पावर सेंटर' वाले नेतागण भी पार्टी की एस्टेट को 'बिल्ले' लगा रहे हैं।इनमें भाजपा में बाबा है, जिनको भ्रातृत्व मोह में फंसाकर पर्ची वाले नेताजी ने जयपुर में बैठकर तमाशा देखा है। भाजपा में तो बाबा को चक्रव्यूह में फंसाकर अभिमन्यु बना दिया गया लेकिन कांग्रेस में तो नरेश मीणा के संघर्ष को स्वीकार तक नहीं किया गया।यह जानते हुए भी कि देवली-उनियारा में पंजे को कोई मजबूत कर सकता है तो वह जुझारू नरेश ही है लेकिन सांसद जी की जिद्द और चांदी की खनक ने युवा नेता को निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरने को मजबूर कर दिया। हालांकि नरेश की युवा ताकत के आगे इस सीट को 'फूल' ने हथिया लिया। भले ही इस युवा नेता की सियासत में पैर जमाने की लड़ाई लंबी हो सकती है लेकिन उम्र तो आज भी उसके पक्ष में है।

प्रदेश की राजनीति का सबसे बड़ा 'लड़ाका' है हनुमान बेनीवाल, जो अजेय योद्धा की तरह गत दो दशक से निरंतर आगे बढ़ता ही जा रहा था। यह दीगर बात है कि उसके विरोधी किस्म का होने से उसके विरोधी नाखुश थे, चुनांचे दूसरी जाति के नेताओं के अलावा जाट नेताओं में उसकी लोकप्रियता को लेकर काफी खिन्नता थी। इसको लेकर उपचुनावों में बेनीवाल से नाइत्तफाक रखने वाली तमाम सियासी ताकतों ने नैतिकता,संगठन के प्रति वफादारी और सिद्धांतों को ताक में रख कर बेनीवाल की अपराजित पारी को समेट दिया। कुल मिलाकर धर्मपत्नी कनिष्का बेनीवाल को विधानसभा पहुंचाने की उनकी हसरत धरी की धरी रह गई।हनुमान बेनीवाल के हार गले पड़ने में संगठित विरोधियों की ताकत ने तो काम किया ही, लेकिन उनका अति बड़बोलापन भी नतीजे को विपरीत दिशा की ओर ले गया। बहरहाल, प्रदेश की सियासत के मैदान में नए घोड़े उठा-पटक के बाद खड़े होते रहेंगे लेकिन षड्यंत्र कर वरिष्ठ और नए पावर सेंटर के जनाधार विहीन नेतागण अपने संगठनों की जड़े खोद रहे हैं।

चाचा के साथ कानूनी विवाद के बीच विश्वराज सिंह को गद्दी पर बैठाने की रस्म हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के विधायक विश्वराज सिंह को सोमवार को चित्तौड़गढ़ किले में आयोजित एक कार्यक्रम में मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के मुखिया की गद्दी पर बैठाने की रस्म निभाई गई। विश्वराज के पिता महेंद्र सिंह मेवाड़ का इस महीने के शुरू में निधन हो गया था। विश्वराज को गद्दी पर बैठाने का 'दस्तूर' (रस्म) कार्यक्रम चित्तौड़गढ़ किले के फतहप्रकाश महल में आयोजित किया गया था और इसमें कई राज परिवारों के प्रमुख शामिल हुए थे। हालांकि महेंद्र सिंह और उनके अलग हुए छोटे भाई अरविंद सिंह मेवाड़ के बीच चल रहे विवाद के कारण यह कार्यक्रम फीका ही रहा। अरविंद सिंह ने दस्तूर कार्यक्रम के तहत विश्वराज के एकलिंग नाथ मंदिर और उदयपुर में सिटी पैलेस में जाने के खिलाफ नोटिस जारी किया है। मंदिर और महल दोनों ही अरविंद के नियंत्रण में हैं जो उदयपुर में एकलिंग जी ट्रस्ट के अध्यक्ष और प्रबंध न्यासी हैं। उनके वकील की तरफ से अखबारों में दिये गये दो सार्वजनिक नोटिसों में आरोप लगाया गया कि समारोह के नाम पर आपराधिक अतिचार करने का प्रयास किया जा रहा है और अनधिकृत व्यक्तियों को मंदिर और सिटी पैलेस में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इस नोटिस के बाद, कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सिटी पैलेस के गेट के बाहर पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

नोटिस में यह भी कहा गया है कि मंदिर ट्रस्ट ने ट्रस्ट द्वारा अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश देने का फैसला किया है। सिटी पैलेस में प्रवेश के लिए भी इसी तरह का नोटिस जारी किया गया था। इन नोटिस में वकील ने कहा है कि जबरन प्रवेश या किसी भी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के लिए कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्र का मार्ग दर्शन करने में समय की कसौटी पर खरा उतरा है संविधान : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

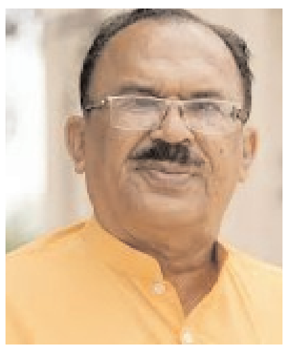

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूरे होने की गरिमापूर्ण यात्रा पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। देवनानी ने कहा है कि यह महत्वपूर्ण दिवस है। हमारे राष्ट्र का संविधान, इसके निर्माताओं की दूरदर्शिता का जीवंत प्रमाण है। यह संविधान सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक विकास की जटिलताओं और चुनौतियों के बावजूद राष्ट्र का मार्ग दर्शन करने में समय की कसौटी पर खरा उतरा है।

विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि गत 75 वर्षों में भारत विभिन्न भाषाओं, परम्पराओं और मतों का खूबसुरत गुलदस्ता बन गया है। इससे देश का सामाजिक ढांचा सशक्त और समृद्ध हुआ है। उन्होंने कहा है कि इस विविधता को अपनाने के साथ सम्मान भी दिया गया है। यह संविधान राष्ट्र का सुरक्षा कवच है।

देवनानी ने कहा है कि इस दीर्घ यात्रा में अनेक चुनौतियां आयी हैं। इन चुनौतयों में भारतीय संविधान आशा की किरण बनकर राष्ट्र को परीक्षा की घड़ी और सफलता के मध्य मार्ग दर्शन करता आ रहा है।

यह 75 वर्ष की यात्रा लोकतंत्र की मूल भावना और न्याय के लिए अनथक प्रयासों की महान गाथा है। देवनानी ने प्रदेशवासियों का आह्वान किया है कि संविधान की 75वीं वर्षगांठ हमारे लिए समारोह मनाने के साथ ही सक्रिय होने का अवसर भी है। संवैधानिक मूल्यों को सर्वोपरी बनाये रखने के लिए और मौजूदा विसंगतियाँ एवं असमानताओं को दूर करने के लिए हम सभी को एकजुट होकर प्रयास करने होंगे।

जूली ने भाजपा पर साधा निशाना, बोले- 250 रुपए वाला पेंट का डब्बा लेकर नाम बदलने से विकास नहीं होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। अजमेर शहर की समस्याओं को लेकर नगर निगम में कांग्रेसी पार्षद और कार्यकर्ताओं ने सोमवार को सांकेतिक धरना दिया। नगर निगम की ओर से शहर में हो रहे अवैध निर्माण सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रदर्शन भी किया। धरने में कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी पहुंचे, जहां उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि नगर निगम को नरक निगम बना दिया गया है। ट्रिपल इंजन की सरकार यहां पर चल रही है। बड़े-बड़े मंत्री यहां से हैं। विधानसभा अध्यक्ष यहां से हैं। इन सबके बावजूद भी पार्षदों को धरना देना पड़ रहा है। कुछ नेताओं की शह पर अतिक्रमण हो रहे हैं। अभी तक आप पिछली सरकार के कामों की समीक्षा करने में लगे हो जिलों की समीक्षा कराएंगे। कॉलेज की समीक्षा कराएंगे, इंग्लिश मीडियम स्कूलों की समीक्षा कराएंगे। जूली ने पेंशन, बेरोजगारी भत्ता, स्कॉलरशिप, महिलाओं को अन्नपूर्णा किट मिल रहे थे वो डीजीएस किसान को खाद दीजिए। जूली ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का सबसे बड़ा काम है नाम बदलना। राजीव गांधी सेवा केंद्रों का नाम बदलकर इन्होंने अटल सेवा केंद्र कर दिए। फिर कोर्ट में गए, आदेश हुए फिर वापस नाम चेंज हो गया। इसी तरह अलग-अलग शहरों के नाम, योजनाओं के नाम, अजमेर में तो लगातार जारी हैं। अजमेर ही नहीं सभी जगह कलर करने का काम, हॉस्पिटल का नाम आरोग्य मंदिर कर दिया। 250 रुपये में पेंट का डब्बा लिए और उस पर पेंट पुतवा कर नाम बदल दिया। जूली ने कहा कि इसमें आपने सुविधाएं क्या बढ़ाई? आप कोई नई स्कीम चलाइए। हमने कभी पुरानी का नाम बदलकर ऐसा नहीं किया और यह नाम बदलने से विकास हो जाए तो इस देश का नाम बदलकर भी विकास ही रख दो।

प्रदेशवासियों का उत्तम स्वास्थ्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि चिकित्सा सेवा का क्षेत्र है तथा सेवा अर्थ से नहीं मन की शांति से जोड़ी जाती है। ऐसे में, चिकित्सकों द्वारा मानवता की सेवा का महती कार्य किया जा रहा है। उन्होंने मेडिकल के विद्यार्थियों से आशा व्यक्त की वे अपने चिकित्सकीय ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज की बेहतरी के लिए करेंगे। शर्मा ने कहा कि हमने इस वर्ष के बजट में 27 हजार 660 करोड़ रुपये अर्थात बजट का 8.26 प्रतिशत हिस्सा केवल चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को समर्पित किया है। प्रदेशवासियों की सेहत हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शर्मा सोमवार को महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी के 7वें दीक्षांत एवं लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मेडिकल की विभिन्न डिग्री प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा की महात्मा गांधी अस्पताल चिकित्सा सेवा एवं मानव सेवा के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। आज इस अस्पताल में लोकार्पण हुए साइबर नाइफ एस7 और पैट स्कैन मशीन से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की जांच के लिए मरीजों को इसका फायदा मिलेगा। साथ ही, नवस्थापित हेमेटोलॉजी टावर में रक्त संबंधी रोगों के मरीजों को इलाज में सहायता मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान डिजिटल हैल्थ मिशन के माध्यम से प्रत्येक नागरिक का स्वास्थ्य रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध हो रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत चिकित्सकीय बुनियादी ढ़ांचे को बेहतर बना रही है, जिसमें हैल्थ सेक्टर में 3 वर्ष में 15 हजार करोड़ के कार्य करवाये जायेंगे। साथ ही, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत 5 लाख तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने से मेडिकल टूरिज्म तेजी से बढ़ा है। ऐसे में, मेडिकल वैल्यू ट्रैवल पॉलिसी के माध्यम से इसको और विस्तार मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को पूर्ण इलाज उपलब्ध करवाने के लिए काम कर रही है।

संविधान की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर चित्रकूट स्टेडियम में निकलेगी पदयात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संविधान की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर युवा मामले एवं खेल विभाग के मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में मंगलवार को जयपुर के वैशाली नगर स्थित चित्रकूट स्टेडियम में दोपहर 3 बजे पदयात्रा का आयोजन किया जायेगा। जिसमें 15 हजार से अधिक युवा भाग लेगें। कार्यक्रम में प्रतिभागियों द्वारा संविधान की उद्देशिका का वाचन किया जाएगा।

पदयात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर सेना, राजस्थान पुलिस, आरएसी एवं निजी विद्यालय, महाविद्यालयों द्वारा बैंडवादन की प्रस्तुति दी जाएगी।

इसके साथ ही पर्यटन विभाग के सहयोग से कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों यथा चरी नृत्य, कच्छी घोड़ी आदि की मनमोहक प्रस्तुतिया दी जाएगी । पदयात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर लगवाये जाने वाले सेल्फी बूथ युवाओं में आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। कार्यक्रम में युवा भारत माता, डॉ. भीमराव अम्बेडकर, सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसे महापुरूषों की वेशभूषा में नजर आयेंगे।

संविधान दिवस के अवसर पर प्रदेशभर में 25 नवंबर से 5 दिसंबर तक प्रदेशभर में विभिन्न चरणों में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में भारत की मुख्य उपलब्धियाँ थीम पर विकसित भारत प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया जाएगा जिसमें सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के विधार्थी भाग ले सकेंगे। द्वितीय चरण में जिला स्तर पर विकसित भारत थीम पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इसी प्रकार तृतीय चरण में राज्य स्तर पर स्टार्ट अप चैंपियनशिप आयोजित होगी, प्रतियोगिता के चतुर्थ चरण में राष्ट्रीय स्तर पर 'विकसित भारत राष्ट्रीय चैंपियनशिप' भारत मण्डपम, नई दिल्ली में आयोजित होगी।

11 बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजा गया

जयपुर। राजस्थान से छह नाबालिग सहित 11 बांग्लादेशी नागरिकों को वापस बांग्लादेश भेजा गया है। इसके साथ ही यहां उनकी मदद करने के आरोप में दो भारतीयों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अधिकारियों के अनुसार, सभी अवैध प्रवासियों को अलवर के 'डिटेंशन सेंटर' में भेजा गया था और फिर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की मदद से निर्वासन की आगे की कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) अमित कुमार ने बताया, हमें सूचना मिली थी कि कुछ बांग्लादेशी नागरिक जयपुर के भांकरोटा इलाके में रह रहे हैं। आरोपियों को बांग्लादेशी जन्म प्रमाण पत्र, पहचान पत्र और चरित्र प्रमाण पत्र के साथ गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश में एजेंसियों से प्रवासियों के बारे में जानकारी जुटाई गई और दिल्ली में गृह मंत्रालय को सूचित किया गया। उन्हें आज बांग्लादेश वापस भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि सभी अवैध प्रवासियों ने दो आरोपियों के माध्यम से जाली तरीकों से आधार कार्ड हासिल किया था, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है तथा अन्य फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

मोदी पर आमजन के भरोसे ने जिताया विधानसभा उपचुनाव : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने हाल में हुए प्रदेश की सात विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिली पांच सीटों के साथ प्रचंड जीत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आमजन का भरोसा एवं उनके नेतृत्व में राज्य सरकार के ग्यारह महीनों के काम का नतीजा बताते हुए दावा किया है कि वह जनता से किये सारे वादे तथा युवा, किसान, महिला एवं गरीबों के सपने को पूरा करेंगे और आने वाले समय में एक उत्कृष्ट एवं विकसित राजस्थान बनायेंगे और हमारे मन में जो कल्पना हैं उसे करके बतायेंगे।

शर्मा सोमवार को यहां मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि वह देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देना चाहते है कि देश एवं प्रदेश में मोदी का आमजन में भरोसा हैं, भरोसा यह है कि प्रधानमंत्री जो कहते हैं वो करते हैं, उस भरोसे का ही कारण रहा कि राजस्थान के अंदर ऐसे क्षेत्र थे जहां कई बार भाजपा नहीं जीत रही थी वहां की जनता ने बदलाव लाने का काम किया और भाजपा बहुत बडे अंतर से जीत हासिल की है।

उन्होंने कहा कि पिछले ग्यारह महीने में मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने ऐसे काम किए है जो कई वर्षों से अटके हुए थे उनके रास्ते साफ हो गये और जनता को भरोसा हो गया। उन्होंने कहा कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो प्रदेश एवं देश का विकास कर सकती है और हमारी योजनाएं एवं हमारी सरकार का बजट क्योंकि हमने प्रदेश की सभी दो सौ विधानसभा क्षेत्रों मे बजट दिया हैं जबकि पहले की सरकार यह देखती थी कि जहां उनका विधायक हैं वहां तक ही काम होता था लेकिन हमने जहां आवश्यक है वहां तक काम करके दिया गया हैं। शर्मा ने कहा कि हम राजस्थान की आठ करोड़ जनता के लिए काम करते हैं और मोदी कहते है युवा, महिला, किसान एवं मजूदर ये चार जातियां है और इनके उत्थान एवं विकास के लिए हमारी सरकार कृतसंकल्प है साथ ही 11 महीने में जो काम किया हैं जनता ने उस पर मोहर लगाई हैं और मोदी पर भरोसा जताया है। उन्होंने उपचुनाव में भाजपा की जीत में कार्यकर्ताओं की मेहनत और मतदाताओं के योगदान के लिए उन्हें बधाई देते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं ने पूरी ताकत के साथ काम किया हैं और इस कारण कुछ स्थानों पर हार के अंतर को भी बहुत कम करने का काम किया गया है । एक सवाल पर उन्होंने कहा कि जनता से कोई बात छुपी नहीं होती है और वह जो फैसला करती है वहीं होता है। विपक्ष के राज्य सरकार को पर्ची सरकार कहने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जनता ने इन सब बातों का जवाब अपने वोट से दे दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जितना उनमें सामर्थ्य है एवं जितना वह कर सकते है उतना वह करेंगे और संकल्प पत्र में जो वादे किये गये है उन्हें पूरा किया जायेगा और राजस्थान को एक उत्कृष्ट एवं विकसित राज्य बनाया जायेगा।

एटा में जमीन विवाद को लेकर हिंसक झड़प, 16 नामजद समेत 150 के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज, दो गिरफ्तार

एटा (उप्र)/भाषा। एटा जिले के जलेसर कस्बे में वक्फ दरगाह के निकट एक व्यक्ति की पैतृक जमीन पर हो रहे निर्माण कार्य को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प हो गयी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रविवार की इस घटना के सिलसिले में 16 नामजद समेत 150 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

कस्बे में तनाव की स्थिति देखते हुए आज जलेसर के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) नीतेश गर्ग एवं जलेसर के थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) सुधीर राघव ने भारी पुलिस बल के साथ नगर भ्रमण किया और वक्फ की भूमि बताकर निजी भूमि पर जबरन निर्माण कार्य करने और पथराव करने के दो प्रमुख आरोपियों-- रफीक और फरमान उर्फ बंटी को गिरफ्तार कर विधिक प्रक्रिया पूरी कर जेल भेज दिया है।

थाना प्रभारी राघव ने बताया कि रविवार शाम निजी चारदीवारी गिरा देने तथा विरोध करने पर मारपीट, आपराधिक धमकी तथा हत्या की नीयत से गला दबाने, दंगा फैलाने के आरोपों के तहत रफीक एवं 16 नामजद व्यक्तियों समेत 150 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। राघव ने कहा, ''आरोपियों में से एक ने शिकायतकर्ता का गला घोंटने की कोशिश की है।'' उन्होंने बताया कि घटनास्थल की भूमि का निरीक्षण तथा तहसील कर्मियों द्वारा की गई जांच से पता चला कि यह नकटा कुआं मोहल्ले के निवासी अनिल कुमार उपाध्याय, राजेश, रमेश चंद्र आदि की पैतृक जमीन है, जिस पर आरोपियों ने वक्फ की जमीन बताकर अशांति पैदा की।

उन्होंने बताया कि जमीन मालिक चारदीवारी खड़ी कर उस जमीन को घेर रहे थे लेकिन रविवार शाम लगभग पांच बजे अग्रयान मोहल्ले का रफीक कई लोगों के साथ वहां पहुंचा और उसने उक्त भूमि को वक़्फ़ की भूमि बताकर चारदीवारी गिरा दी। विरोध करने पर दर्जन भर से अधिक मोटरसाइकिल एवं अन्य गाड़ियों में तोड़फोड़ की गयी एवं पथराव कर लोगों को घायल कर दिया गया।

गोरखपुर के एक मंदिर से पुजारी का जला शव बरामद

गोरखपुर, (उप्र)/भाषा। गोरखपुर जिले में गुलरिहा थाना क्षेत्र के एक मंदिर में सोमवार सुबह एक बुजुर्ग पुजारी का जला हुआ शव बरामद किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार सोमवार सुबह गोरखपुर के गुलरिहा इलाके में बामंत माता मंदिर में पुजारी को जला हुआ पाया गया। पुजारी की पहचान गंगा दास (95) के रूप में हुई है, जो घटना के समय मंदिर के बरामदे में सो रहे थे। पुलिस ने बताया कि सुबह तक उनका शरीर करीब-करीब पूरी तरह जल चुका था, केवल सिर का एक हिस्सा बचा था।

पुलिस ने बताया कि पुजारी सुनने और बोलने में अक्षम थे, ऐसे में इस घटना के दौरान वह मदद के लिए पुकार नहीं सके होंगे, यही कारण है कि किसी को भी इसकी जानकारी नहीं हुई।

ओडिशा पुलिस ने 2026 तक भांग की खेती को खत्म करने का अभियान शुरू किया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा पुलिस ने राज्य में भांग की खेती को नष्ट करने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाई.बी. खुरानिया ने सोमवार को यह जानकारी दी। डीजीपी खुरानिया ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान एक नवंबर को शुरू किया गया था और यह 2026 तक राज्य में भांग की खेती को पूरी तरह से खत्म करने के लिए मार्च 2025 तक जारी रहेगा।

खुरानिया ने कहा, इस अभियान के पहले 24 दिनों के दौरान, हम अब तक विभिन्न जिलों में 2,375 एकड़ भूमि को इस दायरे में लाने में सक्षम हुए हैं और 28 लाख से अधिक भांग/गांजा के पौधों को नष्ट किया गया है।

डीजीपी ने कहा कि हर दिन कई एकड़ में भांग की फसल नष्ट की जा रही है। पुलिस पहाड़ी क्षेत्रों और घने जंगलों में भांग की खेती का पता लगाने के लिए नई तकनीक का इस्तेमाल कर रही है और सैटेलाइट और ड्रोन तस्वीर की मदद ले रही है। पिछले साल ओडिशा पुलिस ने करीब 10,500 एकड़ में भांग की खेती को नष्ट किया था। खुरानिया ने कहा, हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना होगा कि इस साल हम पिछले साल के प्रदर्शन को पार कर सकें।

आंबेडकर जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा दिए जाने के खिलाफ थे : मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोमवार को कहा कि संविधान का मसौदा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले डॉ. बीआर आंबेडकर जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा दिए जाने के खिलाफ थे, क्योंकि उनका मानना था कि यह कदम देश की एकता और अखंडता के खिलाफ होगा।

मेघवाल ने कहा कि संविधान सभा ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने से संबंधित अनुच्छेद जल्दबाजी में तब पारित किया था, जब आंबेडकर मौजूद नहीं थे। मेघवाल यहां एक पुस्तक के विमोचन के मौके पर आयोजित 'छात्रों के लिए भारत का संविधान' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि आंबेडकर ने अनुच्छेद-370 को लागू करने से इनकार कर दिया था। मंत्री ने संविधान सभा के अभिलेखों का हवाला देते हुए कहा, ''वह (आंबेडकर) संविधान सभा के समक्ष आए सभी अनुच्छेदों पर अपनी बात रखने वाले पहले व्यक्ति थे। चर्चाएं आधे दिन या एक दिन से अधिक समय तक चलती थीं। आंबेडकर चर्चाओं का जवाब देते थे।'' उन्होंने कहा, ''रिकॉर्ड से पता चलता है कि आंबेडकर ने बहसों में सबसे ज्यादा बोला। लेकिन अनुच्छेद-370 पर उन्होंने यह कहते हुए बोलने से इनकार कर दिया था कि यह देश की एकता और अखंडता के खिलाफ है।''

मेघवाल ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू ने इस बात पर जोर दिया था कि अनुच्छेद-370 को अपनाया जाए और मसौदा समिति के एक अन्य सदस्य को इसे पारित कराने का काम सौंपा गया था। उन्होंने कहा, ''आंबेडकर मौजूद नहीं थे, क्योंकि वह अस्पताल गए थे... इसे (अनुच्छेद-370 को) जल्दबाजी में पारित किया गया था।'' मेघवाल ने कहा कि आंबेडकर एक सच्चे देशभक्त थे। उन्होंने कहा कि अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक और देशभक्त हैं, जिन्होंने जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को समाप्त करना सुनिश्चित किया। अगस्त 2019 में पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद-370 को निरस्त कर दिया गया था। तत्कालीन राज्य को दो-केंद्र शासित प्रदेशों-जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बांट दिया गया था।

संविधान दिवस समारोह को प्रधानमंत्री नहीं करेंगे संबोधित : रीजीजू

विपक्ष वास्तविकता जाने बोल रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संविधान अंगीकार किए जाने के 75 साल पूरे होने पर आयोजित समारोह से पहले केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस कार्यक्रम को संबोधित नहीं करेंगे। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि 'कुछ विपक्षी दल' वास्तविकता को जाने बिना प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे हैं।

'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस' यानी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों के नेताओं द्वारा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर संविधान दिवस समारोह के दौरान दोनों सदनों के विपक्ष के नेता को कार्यक्रम को संबोधित करने की अनुमति दिए जाने की मांग उठाई थी। इस बारे में पूछे सवाल के जवाब में संसदीय कार्य मंत्री ने उक्त टिप्पणी की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संविधान को अंगीकार किए जाने के 75 साल पूरे होने पर 26 नवंबर को पुराने संसद भवन परिसर के केंद्रीय कक्ष में समारोह का नेतृत्व करेंगी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी समारोह में हिस्सा लेंगे। केंद्रीय संस्कृति सचिव अरुणिश चावला के प्रस्तुतिकरण के बाद रीजीजू और केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल एवं गजेंद्र सिंह शेखावत ने नेशनल मीडिया सेंटर में संवाददाताओं से बातचीत की। रीजीजू ने कहा, ''कुछ विपक्षी दलों के साथ समस्या यह है कि वास्तविक व्यवस्था को जाने बिना, उन्होंने प्रतिक्रियाएं देनी शुरू कर दीं। प्रधानमंत्री कल समारोह को संबोधित भी नहीं कर रहे हैं।''

आरएसएस के मुखपत्र 'ऑर्गेनाइजर' ने संविधान पर हमला किया था : रमेश

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने संविधान दिवस की पूर्वसंध्या पर सोमवार को दावा किया कि 30 नवंबर 1949 को राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) के मुखपत्र 'ऑर्गेनाइजर' ने संविधान पर हमला करते हुए कहा था कि इसमें मनुस्मृति से प्रेरणा नहीं ली गई है। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कल भारत के संविधान को अपनाए जाने की 75वीं वर्षगांठ पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में मनाई जाएगी। दरअसल, आज 25 नवंबर को संविधान सभा में डॉ. आम्बेडकर के उस ऐतिहासिक भाषण की 75वीं वर्षगांठ है, जिसमें उनकी अध्यक्षता वाली समिति द्वारा तैयार संविधान के मसौदे को अंगीकार करने की सिफ़ारिश की गई थी।''

उनके मुताबिक, अपने अध्यक्षीय भाषण में आम्बेडकर ने कहा था कि सभा में संविधान के मसौदा का सुगमता से पारित हो जाने का सारा श्रेय कांग्रेस पार्टी को जाता है। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस के प्रति आम्बेडकर ने जो सम्मान व्यक्त किया था उसकी आवाज़ जब गूंज ही रही थी, तभी 30 नवंबर 1949 को आरएसएस के मुखपत्र 'ऑर्गेनाइजर' ने भारत के संविधान पर हमला करते हुए कहा था कि इसने मनुस्मृति से प्रेरणा नहीं ली है और 11 जनवरी 1950 को, भारतीय गणराज्य के जन्म से कुछ दिन पहले, ख़ुद डॉ. आम्बेडकर की बेहद कटु शब्दों में निंदा की थी।''

विपक्षी सदस्यों ने बिरला से वक्फ संबंधी समिति का कार्यकाल बढ़ाने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार करने वाली संसद की संयुक्त समिति में शामिल विपक्षी सांसदों ने सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर इस समिति का कार्यकाल बढ़ाने का आग्रह किया। इन विपक्षी सदस्यों का कहना है कि संशोधन विधेयक पर उचित विचार-विमर्श और चर्चा के लिए इस समिति का कार्यकाल पर्याप्त समय के लिए बढ़ाया जाना चाहिए।

कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद और सैयद नासिर हुसैन, द्रमुक के ए राजा, तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह, एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी और कुछ अन्य विपक्षी सांसदों ने संसद का शीतकालीन सत्र आरंभ होने से पहले बिरला से मुलाकात की। उन्होंने अपनी मांग को लेकर एक ज्ञापन भी लोकसभा अध्यक्ष को सौंपा। बिरला से मुलाकात के बाद राजा ने संवाददाताओं से कहा, ''हमने लोकसभा अध्यक्ष को बताया कि समिति के अध्यक्ष द्वारा उचित प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया है। वह जल्दबाजी कर रहे हैं, कार्यवाही को बाधित कर रहे हैं।'' राजा ने कहा कि पाल संसद की संयुक्त समिति के प्रमुख के तौर पर उचित प्रक्रिया का पालन नहीं कर रहे थे और उन्होंने स्वत: संज्ञान लेते हुए घोषणा की थी कि रिपोर्ट 29 नवंबर को संसद में पेश की जानी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री का कहना था, ''प्रस्तावित विधेयक के प्रत्येक खंड पर असहमति नोट और मतदान सहित कई प्रक्रियाएं हैं। ये सभी चीजें होनी हैं।''

ज्ञापन में विपक्षी नेताओं ने बिरला से कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक एक व्यापक कानून है जिसमें मौजूदा कानून में कई बड़े बदलाव शामिल हैं। विपक्षी सदस्यों ने कहा, ''इसलिए, रिपोर्ट को अंतिम रूप देने से पहले केवल तीन महीने का समय न केवल अपर्याप्त है, बल्कि इसके परिणामस्वरूप अनुचित सिफारिशें भी हो सकती हैं। उचित चर्चा और विचार-विमर्श के लिए समिति का कार्यकाल पर्याप्त समय तक बढ़ाया जाना चाहिए।''

संसद में हंगामे के लिए भाजपा ने विपक्ष की आलोचना की

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को विपक्षी पार्टियों की आलोचना करते हुए कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और कुछ राज्यों में हुए उपचुनावों में मिली हार की 'हताशा' में संसद की कार्यवाही को बाधित करना विपक्षी दलों के सदस्यों के लिए सही नहीं है।

संसद के शीतकालीन सत्र की सोमवार को हंगामेदार शुरुआत हुई। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष ने अदाणी समूह के खिलाफ अमेरिकी अभियोजकों के रिश्वतखोरी के आरोपों तथा उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा के मुद्दे को उठाने का प्रयास करते हुए हंगामा किया, जिसके कारण दोनों सदनों की कार्यवाही एक-एक बार के स्थगन के बाद पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गयी। विपक्ष के हंगामे के कारण दोनों ही सदनों में शून्यकाल एवं प्रश्नकाल नहीं हो पाए।

वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा, ''यदि आप अपनी हार (हाल ही में संपन्न महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और विभिन्न राज्यों में हुए उपचुनाव) से हताश हैं तो क्या आप संसद नहीं चलने देंगे और पलटवार करेंगे? यह सही नहीं है।''

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने दिल्ली में आडवाणी से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की और उनके नेतृत्व एवं संगठनात्मक कौशल की सराहना की।

सावंत राष्ट्रीय राजधानी के दौरे पर हैं और इस दौरान उन्होंने 97 वर्षीय आडवाणी से मुलाकात की।

सावंत ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''पूर्व उप प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न से सम्मानित आदरणीय लालकृष्ण आडवाणी जी से नई दिल्ली में उनके आवास पर मिलना और उनका आशीर्वाद लेना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात है।'' सावंत ने कहा, ''आडवाणी जी का असाधारण नेतृत्व और अद्वितीय संगठनात्मक कौशल एक मार्गदर्शक की तरह रहा है, जिसने मेरे जैसे अनगिनत कार्यकर्ताओं को सार्वजनिक सेवा और हमारे राष्ट्र की बेहतरी के लिए स्वयं को समर्पित करने के लिए प्रेरित किया है। मैं ईश्वर से उनके अच्छे स्वास्थ्य, खुशहाली और लंबी आयु की कामना करता हूं।''

दिल्ली दौरे के दौरान सावंत ने केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल से भी मुलाकात की। सावंत ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा, ''चर्चा के दौरान, हमने मोरमुगाओ पोर्ट ट्रस्ट से संबंधित प्रमुख मामलों पर विचार-विमर्श किया और ऐतिहासिक वाइसरीगल पैलेस के खंडहरों को गोवा सरकार के

शिवसेना नेता म्हस्के ने दिया 'बिहार मॉडल' का हवाला, एकनाथ शिंदे को ही मुख्यमंत्री बने रहना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना प्रवक्ता नरेश म्हस्के ने सोमवार को 'बिहार मॉडल' का हवाला देते हुए कहा कि एकनाथ शिंदे को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में बने रहना चाहिए, जहां सत्तारूढ़ 'महायुति' ने विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल की है। हालांकि, भाजपा नेता प्रवीण दरेकर ने मुख्यमंत्री पद के लिए देवेंद्र फडणवीस की वकालत करते हुए कहा कि वह राज्य का नेतृत्व करने के लिए सबसे सक्षम उम्मीदवार हैं।

एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना, भाजपा और अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा के 'महायुति' गठबंधन ने हाल में संपन्न महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 288 में से 230 सीट जीतकर सत्ता बरकरार रखी, जबकि विपक्षी महाविकास आघाड़ी (एमवीए) को सिर्फ 46 सीट मिलीं। भाजपा द्वारा सबसे अधिक 132 सीट जीतने के बाद फडणवीस के मुख्यमंत्री पद का दावेदार होने की अटकलें लगने लगीं। शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 57 सीट पर जीत हासिल की। शिवसेना प्रवक्ता म्हस्के ने कहा कि शिंदे को मुख्यमंत्री के रूप में बने रहना चाहिए। लोकसभा सदस्य ने कहा, ''हमें लगता है कि शिंदे को मुख्यमंत्री बने रहना चाहिए, ठीक वैसे ही जैसे बिहार में भाजपा ने संख्याबल पर ध्यान नहीं दिया और जद (यू) नेता नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया। महायुति (महाराष्ट्र में) के वरिष्ठ नेता अंतिम फैसला लेंगे।''

अदाणी का साथ देकर देश की छवि खराब कर रहे हैं प्रधानमंत्री : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही सोमवार को दिन भर के लिए स्थगित होने के बाद सरकार पर निशाना साधा और दावा किया कि विपक्ष पर 'हुड़दंग' मचाने का आरोप लगाने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उद्योगपति गौतम अदाणी समूह का साथ देकर देश की छवि खराब कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अदाणी समूह से जुड़ी 'वित्तीय अनियमितताओं' का मामला गंभीर है और विपक्ष देश बचाने के लिए यह विषय उठाना चाहता है। खरगे ने कहा, ''आज हमने संसद (राज्यसभा) में नियम 267 के तहत अदाणी का मुद्दा उठाया था। अदाणी समूह पर भ्रष्टाचार, रिश्वत और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप हैं, उसके बारे में हम इस मुद्दे को सदन के समक्ष रखना चाहते थे।'' उन्होंने कहा कि सरकार ने इस मामले पर चर्चा नहीं कराई और कार्यवाही स्थगित कर दी गई। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी जहां-जहां जाते हैं, वहां-वहां अदाणी समूह को ठेके मिलते हैं।

बुमराह के साथ गेंदबाजी के लिए बोल्ट मिलने पर खुश है मुंबई इंडियंस : आकाश अंबानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जेद्दा/भाषा। मुंबई इंडियंस के मालिक आकाश अंबानी ने प्रसन्नता जताई कि आईपीएल 2025 में जसप्रीत बुमराह के जोड़ीदार के रूप में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को लेने की उनकी योजना कामयाब रही। अंबानी ने आईपीएल मेगा नीलामी के दूसरे दिन कहा कि मुंबई इंडियंस ने अपने 12 खिलाड़ी तय कर लिए हैं जिनमें बोल्ट और बुमराह शामिल है।

पांच बार की चैम्पियन टीम ने पिछले दो सत्र में बुमराह और जोफ्रा आर्चर की जोड़ी बनाई थी लेकिन आर्चर के लगातार चोटिल होने से उसकी रणनीति प्रभावित हुई।

अंबानी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के मुख्य कोच एंडी फ्लावर के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' ट्रेंट बोल्ट और बुमराह की वापसी हो गई है और हम यह जोड़ी चाहते थे। नीलामी में आप किसी एक खिलाड़ी को तरजीह नहीं दे सकते। हमें खुशी है कि बोल्ट की वापसी हुई है।'' अंबानी ने कहा कि अफगानिस्तान के स्पिनर अल्लाह गजांफर को लेने के लिए उन्हें काफी सोच विचार करना पड़ा। उन्होंने कहा ,'' एक विदेशी स्पिनर लेने के लिए हमें काफी सोच विचार करना पड़ा।'' उन्होंने कहा ,'' हम उसे एक पैकेज के रूप में देखते हैं और हमें खुशी है कि वह हमारी टीम में है।''

अंबानी ने कहा कि पिछली नीलामी में रोशन मिंज को गुजरात टाइटंस को खोने से वह दुखी है लेकिन अब मुंबई इंडियंस टीम में झारखंड के विकेटकीपर बल्लेबाज का काफी विकास होगा। उन्होंने कहा ,'' वह एम एस धोनी या ईशान किशन की याद दिलाता है। या दोनों की। क्योंकि वह विकेटकीपर और खब्बू बल्लेबाज है। वह निचले क्रम में आता है। हम उससे बहुत खुश हैं। वह दो साल हमारे हमारे डेवलपमेंट दौरे का हिस्सा था। पिछले साल उसे खोकर बुरा लगा। हम उसे अपनी टीम में चाहते थे और यह हो गया।''

आरसीबी के मुख्य कोच फ्लावर ने कहा कि इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट अगले आईपीएल में शीर्षक्रम पर विराट कोहली के साथ खेलेंगे। उन्होंने कहा ,'' हमें अपना पहला विकल्प मिल गया है। हम अपनी टीम से बहुत खुश हैं। हमारे पास साल्ट और विराट जैसे बल्लेबाज हैं जो हमारे लिए काफी अहम है। उसके पास विराट के साथ खेलने वाली आक्रामकता है।''

आईपीएल मेगा नीलामी में अच्छे दाम पर बिके भुवनेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

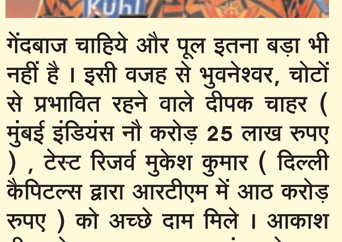

जेद्दा/भाषा। दो साल से अधिक समय से भारतीय टीम से बाहर भुवनेश्वर कुमार का अनुभव आईपीएल टीमों को लुभाने के लिए काफी था जिन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु ने नीलामी के दूसरे दिन 10 करोड़ 75 लाख रुपए में खरीदा।

न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन और ग्लेन फिलिप्स , मुंबई के शारदुल ठाकुर, पृथ्वी साव और अजिंक्स रहाणे को खरीदार नहीं मिला। आईपीएल के अगले सत्र से पहले 35 वर्ष के होने वाले भुवनेश्वर ने 287 टी20 मैचों में 300 विकेट लिए हैं। उन्होंने आखिरी बार भारत के लिए नवंबर 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। लेकिन नीलामी के समीकरण ऐसे हैं कि हर टीम को कम से कम तीन भारतीय तेज गेंदबाज चाहिये और पूल इतना बड़ा भी नहीं है। इसी वजह से भुवनेश्वर, चोटों से प्रभावित रहने वाले दीपक चाहर (मुंबई इंडियंस नौ करोड़ 25 लाख रुपए) , टेस्ट रिजर्व मुकेश कुमार (दिल्ली कैपिटल्स द्वारा आरटीएम में आठ करोड़ रुपए) को अच्छे दाम मिले। आकाश दीप को लखनऊ सुपर जाइंट्स ने आठ करोड़ रुपए में खरीदा। चाहर और भुवनेश्वर दोनों पावरप्ले में गेंद को स्विंग करा लेते हैं। वहीं मुकेश डैथ ओवरों में अच्छे यॉर्कर डालने के लिए मशहूर हैं। स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को गुजरात टाइटंस ने सोमवार को आईपीएल मेगा नीलामी के दूसरे दिन 3.20 करोड़ रुपए में खरीदा। तुषार देशपांडे को राजस्थान रॉयल्स ने साढे करोड़ रुपए में खरीदा।

दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी फाफ डु प्लेसिस और वेस्टइंडीज के रोवमैन पावेल को क्रमश: दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स ने दो करोड़ रुपए और 1.50 करोड़ रुपए में खरीदा। दक्षिण अफ्रीका के मार्को जानसेन को पंजाब किंग्स ने सात करोड़ रुपए में खरीदा। पिछली बार 18 करोड़ रुपए में बिके इंग्लैंड के सैम कुरेन को चेन्नई सुपर किंग्स ने दो करोड़ 40 लाख रुपए में खरीदा। हार्दिक पंड्या के भाई कृणाल पंड्या को आरसीबी ने पांच करोड़ 75 लाख रुपए में खरीदा। नीतिश राणा को राजस्थान रॉयल्स ने चार करोड़ 20 लाख रुपए में अपनी टीम में शामिल किया।

सुविचार

गलती उसी से होती है जो मेहनत से काम करता है, निकम्मो की जिंदगी तो दुसरों की बुराई खोजने में खत्म हो जाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ऐसी 'उदारता' कौन दिखाएगा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात' कार्यक्रम में पुस्तकालयों के महत्त्व को रेखांकित किया जाना प्रशंसनीय और प्रासंगिक है। हमारे देश में पुस्तकालयों का बहुत पुराना इतिहास है। ये ज्ञान के भंडार हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, इजराइल, जापान समेत कई साधन-संपन्न देशों में आज भी पुस्तकालयों में पढ़ने-लिखने की परंपरा है। लोग खुशी-खुशी पुस्तकालयों की सदस्यता लेते हैं और किताबें घर ले जाकर भी पढ़ते हैं। वहां ट्रेनों में लोगों को किताबें पढ़ते देखना सुखद लगता है। अब तो कई वैज्ञानिक शोध इस बात की पुष्टि कर चुके हैं कि जो लोग रोजाना पत्र-पत्रिकाएं और किताबें पढ़ते हैं, उनकी रचनात्मकता अच्छी होती है। वे किसी काम को ज्यादा एकाग्रचित्त होकर कर सकते हैं। वहीं, किशोरों और युवाओं का मोबाइल फोन के साथ जरूरत से ज्यादा व्यस्त होना उन्हें कई समस्याएं दे रहा है। युवा पीढ़ी में पत्र-पत्रिकाएं और किताबें पढ़ने का रुझान कम होता जा रहा है। पारिवारिक एवं सामाजिक स्तर पर भी प्रोत्साहन का अभाव है। प्राय: किताबें इसलिए पढ़ी जाती हैं, ताकि परीक्षाओं में अच्छे नंबर मिल जाएं और सरकारी नौकरी लग जाए। एक बार जब यह उद्देश्य पूरा हो जाता है तो कितने लोग हैं जो किताबें पढ़ने के लिए समय निकाल पाते हैं? स्कूली बच्चों पर भी पाठ्यक्रम का इतना दबाव होता है कि वे अन्य उपयोगी विषयों पर आधारित किताबें पढ़ने के लिए समय नहीं दे पाते। वे जब कभी पाठ्यक्रम से अलग किताब पढ़ते पाए जाते हैं तो माता-पिता कहते हैं कि ये चीजें परीक्षा में नहीं आएंगी, इनमें वक्त बर्बाद मत करो!

जो बच्चे मोबाइल फोन और लैपटॉप पर बहुत ज्यादा व्यस्त रहते हैं, उनके साथ कमोबेश ये समस्याएं होती हैं- एकाग्रता की कमी, इन उपकरणों को 'थोड़ा-सा' और चलाने की ज़िद करना, खराब हैंडराइटिंग, अंग्रेजी शब्दों को वॉट्सऐप के मैसेज की तरह (संक्षिप्त करके) लिखना, अंकों का हिंदी उच्चारण भूलना और लेखन में रचनात्मकता का अभाव होना। कई बच्चे, जिन्हें बीस तक पहाड़े याद थे, वे उन्हें भूल रहे हैं, क्योंकि जोड़-बाकी, गुणा-भाग सब मोबाइल फोन में कर लेते हैं। कौन दिमाग को कष्ट दे! अगर किसी कठिन शब्द का अर्थ ढूंढ़ना हो तो इंटरनेट हाजिर है। वहां एक शब्द का अर्थ बताने के लिए दर्जनों वेबसाइट हैं। हर वेबसाइट एक-एक शब्द के दर्जनभर अर्थ बताती है। किस सन्दर्भ में कौनसा अर्थ लिया जाए, यह बताने वाला कोई नहीं है! वेबसाइटों पर आकर्षक विज्ञापन भी हैं, जिन पर क्लिक करने के बाद किसी शॉपिंग वेबसाइट पर चले जाते हैं। एक शब्द का अर्थ ढूंढ़ने आए थे, एक घंटा इसी में खपा दिया। शब्दकोश कौन खरीदे, कौन पढ़े? ब्याह-शादियों, जन्मदिन की पार्टियों, पिकनिक और मेले-ठेले में लाखों रुपए खर्च करने वाले भी यह शिकायत करते मिल जाते हैं कि आजकल किताबें बहुत महंगी हो गई हैं ... हमारे ज़माने में 20 रुपए की मिलती थी, अब 50 रुपए में मिली है! मोहल्लों में चाट-पकौड़े और खानपान संबंधी चीजों की दुकानें आसानी से मिल जाती हैं। इनका अपनी जगह महत्त्व है, लेकिन कितने मोहल्ले ऐसे हैं, जहां पुस्तकालय भी हैं? कितने घर ऐसे हैं, जहां महीने का बजट बनाते समय पत्र-पत्रिकाओं और किताबों के लिए राशि निकाली जाती है? ऐसे कितने व्यक्ति हैं, जो हर महीने अपनी कमाई का एक प्रतिशत हिस्सा किताबों के लिए निकालते हैं? पेट भरने, शरीर को आराम देने, उसे सुंदर दिखाने, मनोरंजन करने के लिए इतने खर्चे किए जाते हैं; अपनी चेतना जगाने के लिए कितनी राशि खर्च करते हैं? दूसरी चीजों से तुलना करें तो पत्र-पत्रिकाओं और किताबों की कीमतें आज भी बहुत कम हैं। अगर मोहल्ले के दस परिवार अपनी मासिक आय का छोटा-सा हिस्सा खर्च करने की 'उदारता' दिखाएं तो जल्द ही एक अच्छा पुस्तकालय बन सकता है, जो सबको फायदा देगा। थोड़ी-सी राशि के बावजूद ज़िंदगीभर फ़ायदा पहुंचाने वाला ऐसा 'निवेश-विकल्प' और कहां मिलेगा?

ट्वीटर टॉक

सिद्ध योगी भर्तृहरि बाबा की तपोस्थली पौराणिक काल से धर्म संस्कृति इतिहास की अनेकों महान गाथाओं को अपने आप में समेटे हुए, राजस्थान का सिंह द्वार मत्स्यनगरी अलवर जिले के स्थापना दिवस की आप सभी को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं।

-वसुंधरा राजे

सभ्यता और परंपरा की अनुपम नगरी 'अलवर' के स्थापना दिवस पर क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। अरावली की गोद में बसा अलवर समृद्ध प्रकृति के साथ ही विशिष्ट ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व के लिए भी जाना जाता है।

-ओम बिरला

दिल्ली में सुविख्यात संस्कृति कर्मी डॉ. यास्मीन सिंह जी की किताबों ' रायगढ़ घराने की कथक रचनाओं का सौंदर्यबोध' एवं 'राजा चक्रधर सिंह' का विमोचन कर प्रसन्नता हुई। कला-संस्कृति और साहित्य की सेवा हेतु उन्हें हृदय से बधाई व शुभकामनाएँ!

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

साधना का सार

एक बार चार महिलाएं कुएं से पानी लेने जा रही थीं। कुएं के पास पहुंची तो देखा एक साधु पत्थर पर सिर रखकर सो रहा था। उसे देख पहली महिला बोली, 'अहा! साधु हो गया, लेकिन तकिए का मोह नहीं गया, पत्थर का ही सही लेकिन रखा तो है।' महिला की बात साधु ने सुन ली और उसने तुरंत पत्थर फेंक दिया। इसी पर दूसरी महिला बोली, 'साधु हुआ लेकिन गुस्सा नहीं गया, देखो, कैसे पत्थर फेंक दिया।' साधु सोचने लगा, अब वह क्या करे? इतने में तीसरी महिला बोली, 'बाबा, यह तो पनघट है, यहां तो हमारी जैसी पनिहारी पानी लेने आती ही रहेंगी और कुछ न कुछ बोलती ही रहेंगी। उनके कहने पर आप बार-बार परिवर्तन करोगे तो साधना कब करोगे?' लेकिन चौथी महिला ने बहुत ही सुंदर और अद्भुत बात कही। उसने कहा, 'क्षमा करना बाबा, लेकिन मुझे लगता है कि तुमने सब कुछ छोड़ा लेकिन अपना चित्त नहीं छोड़ा। इसलिए अभी तक वहीं के वहीं बने हुए हो। दुनिया पाखंडी कहे या कुछ और, तुम जैसे भी हो, वैसे बने रहो। दुनिया वालों का तो काम ही है कुछ न कुछ कहना। सच्ची साधना, बाहरी दिखावे या परिवर्तनों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि अपने चित्त यानी मन की शुद्धता और स्थिरता पर निर्भर करती है।'

सामयिक

संभल की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से उपजे जटिल सवाल

ललित गर्ग

मो.: 9811051133

यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं त्रासद है कि उत्तर प्रदेश के संभल में एक बार फिर एक सम्प्रदाय विशेष के लोगों ने जो हिंसा, नफरत एवं द्वेष को हथियार बनाकर अशांति फैलायी, वह भारत की एकता, अखण्डता एवं भाईचारे की संस्कृति को क्षति पहुंचाने का माध्यम बनी है। स्थानीय अदालत के आदेश पर एक मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा एवं उन्माद का भड़क उठना और इसके चलते तीन लोगों की जान चले जाना, चुनौतीपूर्ण, विडम्बनापूर्ण एवं शर्मनाक है। इस घटना में कई अन्य लोग घायल भी हुए, जिनमें 30 से अधिक पुलिसकर्मी भी हैं। इस हिंसा को टाला जा सकता था यदि अदालत के आदेश पर हो रहे सर्वेक्षण का हिंसक विरोध नहीं किया जाता। ध्यान रहे कि जब ऐसा होता है तो बैर बढ़ने के साथ देश की छवि पर भी बुरा असर पड़ता है। निःसंदेह इस सम्प्रदाय विशेष को भी यह समझने की आवश्यकता है कि जब देश कई चुनौतियों से दो-चार है, तब राष्ट्रीय एकता एवं सद्भाव को बल देना सबकी पहली और साझी प्राथमिकता बननी चाहिए। एक उन्मादी, विभाजित और वैमनस्यग्रस्त समाज न तो अपना भला कर सकता है और न ही देश को आगे ले जा सकता है। समय आ गया है कि उन मूल कारणों पर विचार किया जाए, जिनके चलते साम्प्रदायिक तनाव, नफरत एवं द्वेष बढ़ाने वाली घटनाएं थम नहीं रही हैं। संभल की स्थानीय अदालत ने उस याचिका पर जामा मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश दिया था, जिसमें दावा किया गया था कि मुगल बादशाह बाबर ने इस मस्जिद का निर्माण एक मंदिर के स्थान पर किया था। स्थानीय अदालत के आदेश पर इसी मंगलवार को जब प्रारंभिक सर्वे किया गया था तब भी इलाके में तनाव फैला था, लेकिन उसे दूर कर लिया गया था। समझना कठिन है कि गत दिवस सर्वे के दौरान ऐसे प्रयास क्यों नहीं किए गए जिससे किसी तरह की अव्यवस्था और अशांति न फैलने पाए। रविवार को सर्वे के दौरान जिस तरह पुलिस पर पथराव किया गया और वाहनों में तोड़फोड़ करने के साथ उन्हें आग के हवाले किया गया, उससे लगता है कि कुछ उन्मादी तत्वों ने उपद्रव की तैयारी कर रखी थी। ऐसी घटनाएं सामाजिक तानेबाने को क्षति पहुंचाने के साथ कानून एवं व्यवस्था के समक्ष चुनौती भी खड़ी करती हैं। यह चिंता की बात है कि यह एक चलन सा बनता जा रहा है कि जब सार्वजनिक स्थलों पर कोई धार्मिक आयोजन होता है, किसी अदालती आदेश पर जांच कार्य होता है तो प्रायः पहले किसी बात को लेकर विवाद होता है और फिर हिंसा शुरू हो जाती है। कई बार तो यह हिंसा बड़े पैमाने पर और किसी सुनियोजित साजिश के तहत होती दिखती है। उत्तर प्रदेश के संभल में हुई भीषण हिंसा यही संकेत करती है कि उसे लेकर पूरी तैयारी की गई थी।

संभल की ताजा घटनाओं के मूल में भड़काऊ नारे एवं संकीर्ण धार्मिकता के मनसूबे सामने आये हैं। इस तरह की घटनाओं का बार-बार होना अच्छा नहीं है, मंदिर-मस्जिद के एक और मामले ने तनाव की स्थिति उत्पन्न करके शांति एवं सौहार्द को खण्डित किया। यदि मस्जिद पक्ष का यह मानना है कि जामा मस्जिद के सर्वे का आदेश सही नहीं तो उसे ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए था। अदालत के आदेश की अवहेलना करने के लिए हिंसा का सहारा लेने का कहीं कोई औचित्य नहीं और तब तो बिल्कुल भी नहीं जब निचली अदालत के किसी फैसले के खिलाफ ऊंची अदालतों में जाने का रास्ता खुला हो। यह भी देखा जाना चाहिए कि क्या कुछ राजनीतिक दल एवं सम्प्रदाय विशेष के लोग किसी भी बहाने भड़कने और हिंसा करने के लिए तैयार बैठे रहते हैं? वास्तव में जैसे यह एक सवाल है कि क्या भारतीय संस्कृति के अस्तित्व एवं अस्मिता से जुड़े इन धार्मिक स्थलों के नाम पर पथराव, तोड़फोड़ और आगजनी करना जरूरी समझ लिया गया है? इन प्रश्नों पर संकीर्ण धार्मिकता से परे होकर गंभीरता के साथ विचार होना चाहिए। इसी तरह पुलिस प्रशासन को भी यह देखना होगा कि वैमनस्य बढ़ाने वाली घटनाएं क्यों बढ़ती चली जा रही हैं?

यह सही है कि 1991 का पूजा स्थल अधिनियम किसी धार्मिक स्थल में बदलाव का निषेध करता है, लेकिन इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यह अधिनियम ऐसे किसी स्थल के सर्वेक्षण की अनुमति भी प्रदान करता है और इसी कारण वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर का सर्वेक्षण हुआ और धार में भोजशाला परिसर का भी। मथुरा में ईदगाह परिसर के सर्वेक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष विचाराधीन है। मंदिर-मस्जिद के विवाद नए नहीं हैं। इन विवादों को सुलझाने की आवश्यकता है। इसका एक तरीका न्यायपालिका का सहारा लेना है और दूसरा आपसी सहमति से विवाद को हल करना। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि जहां भी ऐसे विवाद हैं, उन्हें दोनों समुदाय आपस में मिल-बैठकर हल करें। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि समाज में सद्भाव, सौहार्द एवं शांति बनी रहेगी। यह समझा जाना चाहिए कि इन दोनों उपायों के अतिरिक्त हिंसा एवं नफरत कोई उपाय नहीं है। इसी के साथ यह भी समझना होगा कि देश को अतीत से अधिक भविष्य की ओर देखने और मंदिर-मस्जिद विवादों से बाहर निकलने की आवश्यकता है। इससे इन्कार नहीं कि विदेशी आक्रमणकारियों ने अनगिनत मंदिरों का ध्वंस किया। अतीत में हुए इन ज्यादतियों, अत्याचारों एवं विध्वंस घटनाक्रमों को सुधारने की संभावनाएं किसी भी दृष्टि से गलत नहीं कही जा सकती।

देश का चरित्र बनाना है तथा स्वस्थ, सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण समाज की रचना करनी है तो हमें एक ऐसी आचार संहिता को स्वीकार करना होगा जो जीवन में पवित्रता दे। राष्ट्रीय प्रेम व स्वस्थ समाज की रचना की दृष्टि दे एवं कदाचार-संकीर्णता-कट्टरता के इस अंधेरे कुएँ से निकाले। बिना इसके देश का विकास और भौतिक उपलब्धियां बेमानी हैं। व्यक्ति, परिवार और राष्ट्रीय स्तर पर हमारे इरादों की शुद्धता महत्व रखती है, जबकि हमने इसका राजनीतिकरण कर परिणाम को महत्व दे दिया। घटिया उत्पादन के पर्याय के रूप में जाना जाने वाला जापान आज अपनी जीवन शैली को बदल कर उत्कृष्ट उत्पादन का प्रतीक बन विश्वविख्यात हो गया। यह राष्ट्रीय जीवन शैली की पवित्रता का प्रतीक है। इसी तरह भारत भी आज विश्वविख्यात होने की दिशा में अग्रसर हो रहा है, तो उसकी बढ़ती साख एवं समझ को खण्डित करने वाली शक्तियों को सावधान करना ही होगा। भारत जैसी माटी में जन्म लेना बड़ी मुश्किल से मिलता है। विश्व बंधुत्व एवं वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा वाला यह राष्ट्र विभिन्न संस्कृतियों एवं सम्प्रदायों को अपने में समेटे है तो यह यहां के बहुसंख्यक समुदाय की उदार सोच का ही परिणाम रहा है, इसी बहुसंख्यक हिन्दू समुदाय को आखिर कब तक कमजोर किया जाता रहेगा? क्यों किया जायेगा? कल पर कुछ मत छोड़िए। कल जो बीत गया और कल जो आने वाला है- दोनों ही हमारी पीठ के समान हैं, जिसे हम देख नहीं सकते। आज हमारी हथेली है, जिसकी रेखाओं को हम देख सकते हैं। अब हथेली की रेखाओं को कमजोर करने एवं उसे लहूलुहान होते हुए नहीं देखा जा सकता?

एक सम्प्रदाय विशेष के हिंसक हमलों ने आज तेजी के साथ हिंसा, असहिष्णुता, नफरत, बिखराव और घृणा की साम्प्रदायिक जीवन शैली का रूप ग्रहण कर लिया है। यह खतरनाक स्थिति है, कारण सबको अपनी-अपनी पहचान समाप्त होने का खतरा दिख रहा है। भारत मुस्लिम सम्प्रदायवाद से आतंकित रहा है। आवश्यकता है धर्म को प्रतिष्ठापित करने के बहाने राजनीति का खेल न खेला जाए।

धर्म और सम्प्रदाय के भेद को गड्मड न करें। धर्म सम्प्रदाय से ऊपर है। धर्म में धार्मिकता आये, कट्टरता न आये। राजनीति में सम्प्रदाय न आये, नैतिकता आए, आदर्श आए, श्रेष्ठ मूल्य आएँ, सहिष्णुता आये, सह-अस्तित्व के प्राचीन मूल्य एवं जीवनशैली आये। अतः सम्प्रदायवाद से ऊपर उठकर सार्वभौम धर्म का साक्षात्कार ही हममें नवीन आत्मविश्वास, सशक्त भारत-विकसित भारत का संचार करेगा। उपनिषदों में कहा गया है कि सभी मनुष्य सुखी हों, सभी भयमुक्त हों, सभी एक-दूसरे को भाई समान समझें। यह भारतीय धर्म चिन्तन का निचोड़ है और यही हिन्दू धर्म का निचोड़ है। जहां विश्व एक ही नीड़-सा लगे। भारत में हिन्दू-मुस्लिम हित परस्पर टकरा रहे हैं, इसलिए साम्प्रदायिकता बढ़ रही है। धार्मिकता नष्ट हो रही है। साम्प्रदायिकता का जन्म अनेक जटिल तत्वों से जुड़ा है - आर्थिक, धार्मिक एवं मनोवैज्ञानिक। इसमें मनोवैज्ञानिक ज्यादा महत्वपूर्ण है। हमारा जीवन दिशासूचक बने। गिरजे पर लगा दिशा-सूचक नहीं, वह तो जिधर की हवा होती है उधर ही घूम जाता है। कुतुबनुमा बने, जो हर स्थिति मे सही दिशा बताता है।

नजरिया

कनाडा का फिर बदल रहा है मिजाज?

अशोक भाटिया

मो.: 9221232130

भारत और कनाडा के बीच संबंधों में काफी समय से जो तल्खी चली आ रही थी, अब उसमें कमी होने के आसार हैं। जहां कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार की ओर से लगातार भारत सरकार के मंत्रियों और अहम पद पर आसीन लोगों पर तमाम तरह के भ्रामक आरोप लगाए जा रहे थे, अब कनाडा के ही अधिकारी ने इन आरोपों को लेकर कहा है कि यह 'अटकलबाजी और गलत' हैं। कनाडा की ओर से जब से इस प्रकार के आरोप कनाडा की अल्पमत की सरकार की ओर से लगाए जा रहे थे तब से लगातार भारत ने इसका कड़ाई से विरोध किया था। विदेशमंत्री एस जयशंकर कई मंचों से लगातार कनाडा के आरोपों पर मुखर होकर जवाब दे रहे थे। भारत की ओर से स्पष्ट तौर आरोप नकारे जाने के बाद और फिर कनाडा से लगातार सबूतों की मांग की गई। कनाडा की ओर से कभी भी एक भी सबूत नहीं देने पर भारत ने आरोपों पर किसी भी प्रकार की कार्रवाई से इनकार कर दिया था।

हाल फ़िलहाल खालिस्तान प्रेम में डूबे जस्टिन ट्रूडो आखिरकार पटरी पर आ गए हैं। आतंकी निज्जर की हत्या के मामले में भारत के खिलाफ बयानबाजी करने के मामले में समझ आ गया है कि भारत से पंगा लेना भारी पड़ सकता है। भारत की सख्ती देख अब कनाडाई प्रधानमंत्री के सुर बदल गए हैं और कनाडा की सरकार बैकफुट पर आ गई है। यहां तक कि अब तो उन्होंने अपने ही सुरक्षा अधिकारियों को 'अपराधी' बताते हुए इस मामले से पल्ला झाड़ने की कोशिश भी की है। दरअसल, खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की मौत से जुड़ी एक फर्जी रिपोर्ट के बाद मीडिया में जानकारी लीक करने के मामले में जस्टिन ट्रूडो ने यह बयान दिया है। इस फर्जी रिपोर्ट में निज्जर हत्याकांड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जयशंकर के नाम को घसीटा गया था। इस मामले में अब ट्रूडो ने गलती मानते हुए कहा है, 'दुर्भाग्य से हमने देखा है कि मीडिया को टॉप-सीक्रेट जानकारी लीक करने वाले अपराधी लगातार गलत खबरें फैलाते रहे हैं। यही वजह है कि हमने विदेशी दखल पर एक राष्ट्रीय जांच की थी। इस जांच में यह बात सामने आई थी कि मीडिया संस्थानों को जानकारी लीक करने वाले अपराधी न केवल अपराधी होते हैं बल्कि वे अविश्वसनीय भी होते हैं।'

इसके साथ ही ट्रूडो ने अपने ही खुफिया अधिकारियों को 'अपराधी' भी बताया। साथ ही कहा कनाडा के प्रधानमंत्री के तौर पर मेरा पहला काम कनाडा के लोगों को सुरक्षित रखना है। हमारा जोर इस बात पर रहा है कि कनाडा के लोग यहां और पूरे देश में सुरक्षित रहें और हम कानून का पालन सुनिश्चित करें। ट्रूडो सरकार ने पीएम मोदी पर 'अटकलों' वाली रिपोर्ट को खारिज किया और सफाई दी कि नरेंद्र मोदी, एस जयशंकर और अजीत डोभाल का निज्जर हत्याकांड से न तो कोई कनेक्शन है और न कोई सबूत है। साथ ही यह रिपोर्ट अटकलों पर आधारित और गलत है। जस्टिन ट्रूडो की सरकार ने कहा, 'कनाडा सरकार ने यह नहीं कहा है और न ही उसे इस बात के सबूतों की जानकारी है कि प्रधानमंत्री मोदी, मंत्री जयशंकर या एनएसए डोभाल का कनाडा के भीतर गंभीर आपराधिक गतिविधि से कोई संबंध है। इसके विपरीत कोई भी सुझाव अटकलों पर आधारित और गलत है।'

कनाडा के अखबार द ग्लोब एंड मेल ने अपनी एक रिपोर्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर को आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े विवाद से जोड़ा था। यही मामला भारत और कनाडा के बीच एक बड़े कूटनीतिक विवाद का केंद्र बना और दोनों देशों के रिश्ते बिगड़े। इस रिपोर्ट में एक अज्ञात सुरक्षा अधिकारी के हवाले से दावा किया गया था कि कनाडा की सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि पीएम मोदी निज्जर की हत्या के बारे में जानते थे। यह पहली बार है जब कनाडा के मीडिया ने पीएम मोदी को इस मामले में घसीटा है, जो पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों में एक महत्वपूर्ण घटना है। रिपोर्ट में इस सूत्र ने स्वीकार किया कि कनाडा के पास कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं है कि नरेंद्र मोदी जानते थे। वहीं भारत पहले ही इस मीडिया रिपोर्ट को खारिज कर चुका था। कनाडा की सरकार ने बयान जारी कर स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री जयशंकर या एनएसए अजित डोवाल को कनाडा के भीतर गंभीर आपराधिक गतिविधि से जोड़ने वाले कोई भी सबूत नहीं मिले हैं। ट्रूडो सरकार का ये स्पष्टीकरण कनाडा के एक अखबार में छपी रिपोर्ट के उस दावे के बाद आया है जिसमें आरोप लगाया गया था कि निज्जर की हत्या की कथित साजिश भारत के शीर्ष नेताओं ने रची थी। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि आरोप लगाने के बाद अपनी गलती मानी है।

इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी कनाडा की कई बार किरकिरी हुई जिसके बाद कनाडा को बैकफुट पर आना पड़ा। एक बार तो खुद पीएम ट्रूडो को सबूत के सवाल पर जवाब देना भारी पड़ गया था। यह अलग बात है कि कनाडा में खालिस्तानी नेता और एनडीपी सांसद जगमीत सिंह के समर्थन से चल रही सरकार पर पहले काफी दबाव था। लेकिन अब सरकार अल्पमत की है। जगमीत सिंह ने समर्थन वापस ले लिया है। कनाडा ने पिछले महीने उस समय तो हद ही कर दी थी जब यह आरोप लगाया था कि भारत के गृहमंत्री अमित शाह कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों के खिलाफ हिंसा के मामले में शामिल हैं। कनाडा का आरोप था कि शाह ने कनाडा में सिख अलगाववादियों के खिलाफ हिंसा, डराने धमकाने और इंटेलिजेंस हासिल करने के काम को लेकर निर्देश दिए थे। तब भारत ने कनाडा के उपविदेश मंत्री डेविड मॉरिसन की ओर से की गई टिप्पणियों को बेतुका और निराधार बताया है। विदेश मंत्रालय ने इन आरोपों को लेकर कनाडा सरकार के सामने आधिकारिक तौर पर विरोध दर्ज करवाया था।

भारत ने जवाब में कहा था कि कनाडाई अधिकारी गैर प्रामाणिक दावे इंटरनेशनल मीडिया को देकर ग्लोबल मंच पर भारत की साख को कम करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। इसके साथ ही भारत ने कहा कि कनाडा सरकार वहां तैनात भारतीय काउंसलर अधिकारियों का सर्विलांस करवा रही है। इसके अलावा कनाडा की जासूसी एजेंसी कम्युनिकेशन सिक्योरिटी एस्टैब्लिशमेंट (उड्ए) ने खतरा पैदा करने वाले देशों की सूची में भारत को शामिल कर दिया था। यह पहली बार था जब कनाडा की सरकार की इस लिस्ट में भारत का नाम आया। बता दें कि इस लिस्ट में 2025-26 में खतरा पैदा करने वाले देशों के नाम हैं। इसमें भारत को चीन, रूस, ईरान, उत्तर कोरिया के बाद पांचवें नंबर पर रखा गया। इसमें कहा गया कि भारत सरकार आधुनिक साइबर प्रोग्राम तैयार कर रही है, जो कनाडा के लिए कई स्तरों पर खतरा पैदा करते हैं। भारत ने कनाडा हर मंच और हर मौके पर कड़ा जवाब दिया जिसकी तो कनाडा ने कल्पना तक नहीं की होगी। दीवाली के मौके पर कनाडा में कई जगह हिंदुओं के कार्यक्रम रद्द होने पर भी भारत सरकार ने कनाडा की सरकार को घेरा। साथ ही कनाडा में हिंदुओं पर लगातार हो रहे हमलों, हिंदु धर्मस्थलों पर हुए हमलों को लेकर पर भी कनाडा की सरकार के सामने आपत्ति जताई।कनाडा में हिंदू मंदिर पर हमले के बाद तो पीएम नरेंद्र मोदी ने खुद निंदा की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द पर पोस्ट कर लिखा कि मैं कनाडा में एक हिंदू मंदिर पर जानबूझकर किए गए हमले हमले की कड़ी निंदा करता हूं, हमारे राजनयिकों को डराने-धमकाने की कायरतापूर्ण कोशिशें भी उतनी ही भयावह हैं।

हिंसा के ऐसे कृत्य कभी भी भारत के संकल्प को कमजोर नहीं करेंगे। हम कनाडा सरकार से न्याय सुनिश्चित करने और कानून के शासन को बनाए रखने की उम्मीद करते हैं।कनाडा को कई बार भारत की ओर किए गए हमलों और जवाब तलब करने की वजह से शर्मिंदा होना पड़ा जिससे ट्रूडो सरकार की खूब किरकिरी हुई। हाल ही में दीवाली के दौरान एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने माना था कि कनाडा में काफी लोग खालिस्तानी समर्थक हैं लेकिन सारे नहीं। गौरतलब है कि भारत लगातार सालों से कनाडा से इस बात का आग्रह करता रहा है कि वह अपनी धरती पर मौजूद खालिस्थानी समर्थक और उग्रवादियों पर कार्रवाई करे, लेकिन कनाडा ने इससे साफ इनकार कर दिया था। कनाडा ने हमेशा यह कहा है कि खालिस्तान का समर्थन करना लोगों के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार में आता है और उनकी सरकार इस पर कार्रवाई नहीं कर सकती है। याद दिला दें कि कनाडा की धरती पर भारत विरोधी कार्यक्रम होते रहे हैं। हद तो तब देखने को मिलती जब कनाडा में भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या पर झांकी बनाई जाती है और भारत के विरोध के बाद भी कनाडा कोई कार्रवाई नहीं करता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

फ्रांस की टोटल एनर्जीज रिश्वत का आरोप समाप्त होने तक अदाणी समूह में नहीं करेगी कोई नया निवेश

नई दिल्ली/भाषा। फ्रांस की प्रमुख ऊर्जा कंपनी टोटल एनर्जीज ने सोमवार को कहा कि वह अदाणी समूह की कंपनियों में तब तक कोई नया निवेश नहीं करेगी जब तक कि भारतीय कंपनी के संस्थापक (गौतम अदाणी) को रिश्वत के आरोपों से मुक्त नहीं कर दिया जाता। ऊर्जा कंपनी ने कहा कि उसे कथित भ्रष्टाचार की जांच की जानकारी नहीं थी। टोटल एनर्जीज उद्योगपति गौतम अदाणी की कंपनियों में सबसे बड़े विदेशी निवेशकों में से एक है। उसने पूर्व में समूह के नवीकरणीय ऊर्जा उद्यम अदाणी ग्रीन एनर्जी लि. और शहर गैस वितरण इकाई अदाणी टोटल गैस लि. (एटीजीएल) में हिस्सेदारी ली थी। फ्रांस की कंपनी ने कहा कि उसे अमेरिकी अधिकारियों द्वारा अदाणी ग्रीन एनर्जी लि. के लिए सौर ऊर्जा आपूर्ति अनुबंध हासिल करने को लेकर भारतीय अधिकारियों को कथित तौर पर 26.5 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने के मामले में शामिल होने के लिए गौतम अदाणी और दो अन्य अधिकारियों पर आरोप लगाये जाने के मामले का पता चला है।

टोटल एनर्जीज ने कहा, ''यह मामला न तो अदाणी ग्रीन एनर्जी को निशाना बनाता है, न ही उससे संबंधित किसी कंपनी को।''

अभिनेता रितेश देशमुख और जेनेलिया विश्व समुद्र गोल्डन ईगल्स चैंपियनशिप के 8वें संस्करण के रेड कार्पेट पर शामिल हुए।

पश्चिम एशिया में तत्काल युद्ध विराम लागू करने और द्वि-राष्ट्र समाधान का पक्षधर है भारत : जयशंकर

रोम/भाषा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि भारत पश्चिम एशिया में तत्काल संघर्ष विराम लागू करने का समर्थन करता है और दीर्घकालिक रूप से द्वि-राष्ट्र समाधान का पक्षधर है। उन्होंने आतंकवाद, लोगों को बंधक बनाने और सैन्य अभियानों में नागरिकों की मौत की निंदा भी की।

जयशंकर ने रोम में एमईडी मेडिटेरेनियन डायलॉग के 10वें संस्करण में अपने संबोधन में कहा कि भारत सैन्य अभियानों में बड़े पैमाने पर नागरिकों की मौत को अस्वीकार्य मानता है और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून की अवहेलना नहीं की जा सकती।

विदेश मंत्री ने कहा, ''तात्कालिक रूप से, हम सभी को युद्ध विराम का समर्थन करना चाहिए...दीर्घावधि में, यह आवश्यक है कि फलस्तीनी लोगों के भविष्य पर ध्यान दिया जाए। भारत द्वि-राष्ट्र समाधान का पक्षधर है।''

जयशंकर ने पश्चिम एशिया में संघर्ष के बढ़ने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत संयम बरतने तथा संवाद बढ़ाने के लिए इजराइल और ईरान दोनों के साथ शीर्ष स्तर पर नियमित संपर्क में है। उन्होंने कहा कि इटली की तरह भारत का एक दल भी लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूनिफिल) के हिस्से के रूप में लेबनान में तैनात है। पिछले साल से ही भारतीय नौसेना के जहाज अदन की खाड़ी और उत्तरी अरब सागर में वाणिज्यिक नौवहन की सुरक्षा के लिए तैनात हैं।

दक्षिण लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) में सैन्य योगदान देने वाले 50 देशों से लगभग 10,500 शांति सैनिक तैनात हैं। लेबनान में यूएनआईएफआईएल के हिस्से के रूप में भारत के 900 से अधिक सैनिक तैनात हैं। उन्होंने कहा, ''विभिन्न पक्षों को शामिल करने की हमारी क्षमता को देखते हुए, हम किसी भी अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक प्रयास में सार्थक योगदान देने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। ''

यूक्रेन-रूस युद्ध के बारे में उन्होंने कहा कि इस संघर्ष के जारी रहने से भूमध्य सागर सहित अन्य क्षेत्रों में गंभीर एवं अस्थिरता पैदा करने वाले परिणाम सामने आ रहे हैं। जयशंकर ने कहा, ''यह बात तो स्पष्ट है कि युद्ध के मैदान से कोई समाधान नहीं निकलने वाला है। भारत का हमेशा से यह मानना रहा है कि इस दौर में विवादों का समाधान युद्ध से नहीं हो सकता। हमें संवाद और कूटनीति की ओर लौटना होगा। यह जितनी जल्दी हो सके, उतना अच्छा है। आज दुनियाभर में यह एक व्यापक भावना है, खासकर ग्लोबल साउथ में।'' उन्होंने कहा कि जून से ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस संबंध में रूस और यूक्रेन दोनों के नेताओं से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर रहे हैं, जिसमें मॉस्को और कीव का दौरा भी शामिल है।

विदेश मंत्री ने कहा, ''हमारा यह दृढ़ विश्वास है कि जो लोग समान आधार तलाशने की क्षमता रखते हैं, उन्हें यह जिम्मेदारी अवश्य निभानी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि इन दोनों संघर्षों के कारण आपूर्ति शृंखलाएं असुरक्षित हैं तथा सम्पर्क, विशेषकर समुद्री सम्पर्क बाधित है।

पदयात्रा

नई दिल्ली में सोमवार को पदयात्रा में भाग लेते केंद्रीय युवा मामले और खेल तथा श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, केंद्रीय संसदीय मामले और अल्पसंख्यक मामले मंत्री किरेन रिजिजू, कानून और न्याय मंत्रालय और संसदीय मामलों के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल और 'हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान' के दौरान अन्य गणमान्य व्यक्ति।

अमेरिका की सिलिकान वैली में भारतीय अमेरिकियों ने कनाडा, बांग्लादेश के हिंदुओं के समर्थन में रैली निकाली

वाशिंगटन/भाषा

अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया के शहर सिलिकॉन वैली में भारतीय अमेरिकियों ने कनाडा और बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा के विरोध में एकजुटता रैली का आयोजन किया।

मिलपिटास सिटी हॉल में बड़ी संख्या में भारतीय अमेरिकियों को संबोधित करते हुए समुदाय के प्रमुख नेताओं ने हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमलों के बारे में चर्चा की और अमेरिकी नेताओं से मानवाधिकारों के उल्लंघन की निंदा करने तथा कनाडा एवं बांग्लादेश की सरकारों को हिंदू अल्पसंख्यक आबादी की सुरक्षा के लिए जवाबदेह बनाने का आग्रह किया।

सिलिकॉन वैली के बे एरिया में दो लाख से अधिक भारतीय अमेरिकी रहते हैं।

मीडिया में जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि रैली में लोगों ने ब्रैंपटन के हिंदू सभा मंदिर में खालिस्तानियों द्वारा हिंदुओं पर किए गए हमले की घटना से निपटने के तरीके पर निराशा व्यक्त की।

रैली में लोगों ने 'खालिस्तानी आतंकवाद बंद करो, कनाडाई-हिंदुओं की रक्षा करो', 'इस्लामी आतंकवाद बंद करो, बांग्लादेशी-हिंदुओं की रक्षा करो' के नारे लगाए।

विज्ञप्ति में कहा गया, ''हमने खालिस्तानी आतंकवादियों द्वारा मंदिर परिसर में घुसकर पुरुषों, महिलाओं और बच्चों की पिटाई करने संबंधी वीडियो देखे। दिवाली का त्योहार मनाने गए हिंदुओं को उन गुंडों द्वारा परेशान होते देखना परेशान करने वाला था।''

विज्ञप्ति में कह गया, ''हमने देखा कि पुलिस पहले से ही खालिस्तान समर्थकों के साथ घुसपैठ कर चुकी थी और हिंदू श्रद्धालुओं की पिटाई कर रही थी...।''

'अमेरिकन्स फॉर हिंदूज' के डॉ. रमेश जापरा ने कनाडा में खालिस्तानियों और बांग्लादेश में कट्टरपंथी समूहों द्वारा हिंदुओं पर किए गए हमलों की निंदा की।

'कोअलिशन ऑफ हिंदूज इन नॉर्थ अमेरिका' (सीओएचएनए) की पुष्पिता प्रसाद ने कनाडा में उनकी टीम को 'सिख फॉर जस्टिस' द्वारा निशाना बनाए जाने पर चिंता व्यक्त की। यह संगठन भारत में प्रतिबंधित है, लेकिन अमेरिका और कनाडा में स्वतंत्र रूप से काम करता है।

29 को रिलीज होगी 'दिल्ली बस'

मुंबई/एजेन्सी

शरीक मिन्हाज के निर्देशन में बनी फिल्म दिल्ली बस , 29 नवंबर को रिलीज होगी। वर्ष 2012 की एक घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। चलती बस में एक लड़की के साथ जिस तरीके से दरिंदगी की गई। उसने हमारे समाज को शर्मसार कर दिया। फिल्म 'दिल्ली बस' उसी घटना की याद दिलाती है। शरीक मिन्हाज के निर्देशन में बनी फिल्म दिल्ली बस में शाहिद कपूर की मां नीलिमा आजमी के अलावा ताहिर कमाल खान ,अंजन श्रीवास्तव, आज़ाद हुसैन, दिव्या सिंह ,जावेद हैदर ,शीश खान और विक्की आहूजा की प्रमुख भूमिका है। शरीक मिन्हाज ने कहा, यह फिल्म उस लड़की को श्रद्धांजलि है, जो 2012 में हुए बर्बर गैंगरेप के बाद पूरे देश में निर्भया के रूप में जानी गई। इस फिल्म हम निर्भया को समर्पित करना चाहेंगे। निर्भया ने अपनी जिंदगी और सम्मान के लिए लड़ाई लड़ी। हम उसे इस फिल्म के जरिए श्रद्धांजलि दे रहे हैं। इस फिल्म के जरिए हम समाज में बदलावा लाना चाहते हैं। महिलाओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों और समस्याओं को उजागर करना चाहते हैं।

फिल्म में खास किरदार निभा रहे ताहिर कमाल खान ने कहा, इस फिल्म के माध्यम से हमने सच्चाई दिखाने की कोशिश की है। फिल्म के कुछ दृश्यों को लेकर सेंसर बोर्ड को आपत्ति थी। हमने इसके लिए कड़ी लड़ाई लड़ी। अब फिल्म को छह साल के बाद सेंसर सर्टिफिकेट मिला है। फिल्म दिल्ली बस के निर्माता विपुल शाह, सह-निर्माता तारिक खान हैं। यह फिल्म 29 नवंबर को रिलीज होगी।

झंझारपुर में चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया : अपूर्वा दत्ता

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अपूर्वा दत्ता का कहना है कि उन्होंने फिल्म झंझारपुर में काफी चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया है। ग्लैमरस बंगाली बाला अपूर्वा दत्ता की फ़िल्म 'झंझारपुर' रिलीजिंग के लिए तैयार है। इस फ़िल्म में बिहार की एक बेहद पुरातन संस्कृति को बेहतरीन तरीके से दिखाया गया है । इस फ़िल्म के जरिये बिहार की समृद्ध विरासत का नमूना पूरी दुनिया के सामने आने वाला है । अपूर्वा दत्ता इस फ़िल्म में अहम भूमिका निभा रही हैं। पिछले दिनों एनएफडीसी के फ़िल्म बाजार में फिल्म 'झंझारपुर' का टीजर लॉन्च किया गया है। बिहार के निवासी नवीन चंद्र गणेश द्वारा निर्देशित फिल्म 'झंझारपुर', बिहार के एक बेहद प्राचीन परम्परा लौंडा नाच की दुनिया में गहराई से उतरती है। यह फिल्म बिहार की संस्कृति के पहचान को प्रदर्शित करने और दर्शकों को मोहित करने के लिए एक बेहतरीन मंच दुनिया के सामने प्रदान करेगी। इस फिल्म के माध्यम से बिहार के लौंडा नाच की दुनिया में गहराई से उतारा गया है। फिल्म की कहानी बिहार के एक छोटे से गांव की है, जहां का लौंडा नाच बहुत मशहूर है। अपूर्वा दत्ता अभिनीत फिल्म 'झंझारपुर' की कहानी बिहार के एक छोटे से गांव की पृष्ठभूमि और परिवेश पर आधारित है । अपूर्वा दत्ता ने बताया कि फ़िल्म झंझारपुर में उनका अभिनय बेहद चुनौतीपूर्ण रहा है और इसे उन्होंने पूरी शिद्दत से निभाने की कोशिश की है।

अवार्ड्स

मुंबई में सोमवार को अभिनेत्री भूमि पेडनेकर फिल्मफेयर ओटीटी अवार्ड्स 2024 की प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुईं।

रणवीर सिंह अपनी फ़िल्म के अगले शेड्यूल के पहले आशीर्वाद लेने गोल्डन टेंपल पहुंचे

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता रणवीर सिंह और प्रशंसित फिल्म निर्माता आदित्य धर अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म के अगले शेड्यूल को शुरू करने से पहले अमृतसर के गोल्डन टेंपल पहुंचे।

पीढ़ियों से अमृतसर लोगों के लिए आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक रहा है और अभिनेता-निर्देशक की जोड़ी फिल्म का अगला शेड्यूल शुरू करने से पहले मंदिर जाना चाहते थे। टीम ने पहले बैंकॉक में एक विस्तृत शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर ली है और अब यहां से उनका दूसरा शेड्यूल शुरू होगा। इस फ़िल्म का निर्माण जियो स्टूडियोज की ज्योति देशपांडे और आदित्य धर और लोकेश धर ने अपने बैनर बी62 स्टूडियो के तहत किया है। यह फिल्म उनके हालिया सुपरहिट सहयोग आर्टिकल 370 के बाद आ रही है। इस फिल्म में संजय दत्त, आर. माधवन, अक्षय खन्ना और अर्जुन रामपाल जैसे स्टार कलाकार हैं। इस तरह के दिग्गज कलाकारों की टुकड़ी और धर की दमदार कहानी के साथ, यह प्रोजेक्ट जल्द ही सिनेमा घरों में रिलीज आने वाला है।

इशिता राज निभाएंगी साहसी योद्धा राजकुमारी राजनंदिनी का किरदार

मुंबई/एजेन्सी

वेब सीरीज कंधार- द बैटल ऑफ़ सिल्क रूट में इशिता राज साहसी योद्धा राजकुमारी राजनंदिनी का किरदार निभाती नजर आयेंगी। वीरता, विश्वासघात और न्याय के विषयों को छूती वेब सीरीज कंधार- द बैटल ऑफ़ सिल्क रूट की कहानी लाहौरा की एक बेहद साहसी योद्धा राजकुमारी राजनंदिनी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार प्यार का पंचनामा' फेम अभिनेत्री इशिता राज ने निभाया है। सीरीज का लेखन और निर्देशन शाहिद काज़मी ने किया है। प्रताप सिंह यादव, शाहिद काज़मी और अंकिता मित्तल द्वारा निर्मित इस वेब सीरीज के सह निर्माता सुखचैन सिंह, ललित चोपड़ा और हेनरी एल ह्लावनमौल हैं ।

लेखक निर्देशक शाहिद काज़मी का कहना है कि 1390 के दौर की यह कहानी एक महान ऐतिहासिक ड्रामा है। वेब सीरीज़ कंधार बहादुर योद्धा राजनंदिनी के बारे में है। किस तरह उन्होंने अपनी वीरता से इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया, सीरीज यह प्रभावी रूप से दर्शाती है। गोवा के फ़िल्म बाज़ार में इसका ट्रेलर लांच होना और ऐसी प्रतिक्रिया मिलना सीरीज़ के लिए अच्छा संकेत है। आशा है कि दर्शकों को यह वीर गाथा पसन्द आएगी।

अभिनेत्री इशिता राज ने कहा कि राजनंदिनी के किरदार मेरे करियर का एक महत्वपूर्ण मोमेंट हैं । हम सब ने बहुत मेहनत किया हैं । किसी भी अभिनेता के लिए कंधार- द बैटल ऑफ़ सिल्क रूट एक प्रोजेक्ट लाइफ टर्निंग मोमेंट होता हैं । मैं बहुत उत्साहित हूं की यह एक ग्लोबल कंटेंट हैं ।

अभिनेताओं को नए माध्यमों के साथ प्रयोग करना चाहिए: मनीषा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री मनीषा कोईराला का कहना है कि अभिनेताओं को पुराने ढर्रे से हटकर नए माध्यमों के साथ प्रयोग करना चाहिए। 55वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (ईफ्फी) में रविवार को कला अकादमी के खचाखच भरे ऑडिटोरियम में मनीषा कोइराला और फिल्म निर्माता विक्रमादित्य मोटवानी ने शिरकत की ।फिल्म जगत के इन दो दिग्गजों ने 'बड़े पर्दे से लेकर स्ट्रीमिंग तक' विषय पर एक ज्ञानवर्धक 'इन-कन्वर्सेशन' सत्र में भाग लिया। इस चर्चा में मनीषा कोइराला ने बताया कि थिएटर में रिलीज़ होने वाली फिल्मों और ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर सीरीज या फिल्मों के लिए अभिनेताओं से समान स्तर के प्रयास, तैयारी, ईमानदारी और मानसिकता की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया, मेरे तीस साल के करियर में, हीरामंडी सबसे बड़ा सेट था, जिस पर मैंने काम किया है। उन्होंने दोनों अनुभवों के प्रति अपना प्यार भी व्यक्त करते हुए कहा,मुझे थिएटर जाना पसंद है, लेकिन मुझे घर पर बैठकर अच्छा कंटेंट देखना भी पसंद है।दोनों का अपना महत्व है और ओटीटी पर उत्कृष्ट सामग्री का खजाना उपलब्ध है। मैं ओटीटी कंटेंट को लगातार देखती हूं।

जब मनीषा से पूछा गया कि क्या अभिनेता अभी भी ओटीटी शो में काम करने से कतराते हैं तो उन्होंने खुलकर जवाब दिया कि इंडस्ट्री में इस बारे में चर्चा चल रही है। उन्होंने बताया, किसी भी नए और अपरिचित काम को शुरू में अक्सर संदेह की दृष्टि से देखा जाता है।लेकिन अच्छे परिणाम लोगों को इसे अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने माना कि स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर प्रोजेक्ट्स को लेकर फिल्म उद्योग में अभी भी कुछ आशंकाएं हैं। हालाँकि उन्होंने आशा व्यक्त की कि 'यह कुछ पीढ़ियों में खत्म हो जाएगा।'

मनीषा और विक्रमादित्य मोटवानी दोनों ने कहा कि शाहिद कपूर, आलिया भट्ट और वरुण धवन सहित कई अभिनेता पहले ही ओटीटी प्लेटफार्मों पर रिलीज हुई फिल्मों में अभिनय कर चुके हैं, जो इस माध्यम की बढ़ती स्वीकृति का संकेत है। मनीषा ने कहा कि पहले वरिष्ठ अभिनेत्रियों को जो भूमिकाएं दी जाती थीं, उनकी तुलना में अब बड़ी उम्र की महिलाओं के लिए भूमिकाएं विकसित हो रही हैं। उन्होंने कहा, दर्शकों की बदौलत ओटीटी धीरे-धीरे पुराने ढर्रे को तोड़ रहा है।सिनेमा में भी अब उम्रदराज अभिनेताओं को अधिक महत्वपूर्ण भूमिकाएं दी जा रही हैं। 90 और 2000 के दशक के मुकाबले बहुत कुछ बदल गया है। सीखने के लिए बहुत कुछ है। जब विक्रमादित्य मोटवानी ने पूछा कि क्या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर काम करना बड़े पर्दे से 'नीचे उतरने' जैसा लगता है, तो मनीषा ने जवाब दिया, अब अभिनेताओं को पुराने ढर्रे से हटना चाहिए। मैं सिर्फ एक शैली तक सीमित नहीं रहना चाहती थी। एक अभिनेता के तौर पर आप अलग-अलग पहलुओं को तलाशना चाहते हैं।उन्होंने कहा, स्ट्रीमिंग एक गेम चेंजर साबित होने जा रही है। यह नए अवसर खोल रही है और उभरते फिल्म निर्माताओं, लेखकों और अभिनेताओं को सुर्खियों में आने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

जीतो बेंगलूरु साउथ चेप्टर ने सदस्यों के लिए शहर के बाहरी क्षेत्र में ट्रेकिंग, टीम-बिल्डिंग गेम्स और स्पोर्ट्स कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें 190 लोगों ने भाग लिया।

शिविर में 100 लोगों ने किया रक्तदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में अग्रवाल समाज कर्नाटक, अग्रवाल महिला मंडल, अग्रवाल युवा संघ बेंगलूरु, सेंट्रल राउंड टेबल 90 और बेंगलूरु सेंट्रल लेडीज सर्कल 36 के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल, सचिव सतीश गोयल, युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया, महिला मंडल की अध्यक्ष नीरू तायल, सचिव सुनीति अग्रवाल और कोषाध्यक्ष कविता तायल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि, मिसेज इंडिया निवृत्ति गुप्ता और विशेष अतिथि एसीपी वेदिका तलरेजा ने मानव सेवा के लिए कार्य की सराहना की। शिविर में लगभग 100 लोगों ने रक्तदान किया।

अरिहंत कॉलेज के आकृति महोत्सव में विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अरिहंत कॉलेज में आकृति महोत्सव आयोजित किया गया। इस उत्सव का उद्देश्य विभिन्न गतिविधियों के प्रदर्शन और कौशल के माध्यम से कॉलेज समुदाय को शामिल करना और मनोरंजन करना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अरिहंत कालेज की डायरेक्टर यशस्वी नागोरी, जनसंपर्क एवं संचार प्रबंधक रवीना नागोरी, बायोडिग्रेडेबल और प्लास्टिक-मुक्त च्युइंगगम ब्रांड गुडगम के संस्थापक मयंक नागोरी-भुवन नागोरी सहित निदेशक डा. गिरिश सी., प्राचार्य डॉ एस गुरुदत्त व पीयू डिपार्टमेंट के प्राचार्य गणेश उपस्थित थे। आकृति उत्सव में 44 कॉलेजों ने भागीदारी निभाई। आकृति न केवल एक उत्सव है, बल्कि निवेदित प्रतिभाओं के लिए अपनी पहचान बनाने का एक मंच है। खुद में छिपी हुई प्रतिभा को उजागर करने और उसकी असली क्षमता को खोजने का एक मंच है जिसमें विभिन्न प्रतिभाओं को एक मंच पर लाने के लिए कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए। उत्सव ने छात्रों, संकाय और कर्मचारियों के बीच एकता, गौरव और सौहार्द की भावना को बढ़ावा दिया।

आकृति ने छात्रों को एक-दूसरे के साथ बातचीत करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और संबंध बनाने का अवसर प्रदान किया। उत्सव ने कॉलेज के सांस्कृतिक और सामाजिक विकास में भी योगदान दिया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में विजेता प्रतियोगियों को उचित पारितोषिकों से सम्मानित किया गया।

'जीतो बेंगलूरु' साउथ का आउट-डोर कार्यक्रम हुआ

सदस्यों ने ट्रेकिंग और टीम बिल्डिंग खेलों में भाग लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जीतो बेंगलूरु साउथ चेप्टर ने सदस्यों के लिए शहर के बाहरी क्षेत्र में ट्रेकिंग, टीम-बिल्डिंग गेम्स और स्पोर्ट्स कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें 190 लोगों ने भाग लिया। स्टेंसिल द्वारा प्रायोजित इस आयोजन का आकर्षण था- प्राकृतिक परिवेश में ट्रेकिंग का लुत्फ़ उठाना और डिस्कवरी विलेज में टीम बिल्डिंग गेम्स तथा खेलकूद गतिविधियों में भाग लेना।

पहाड़ी हैदरअली बेट्टा पर करीब 150 सदस्यों ने ट्रेकिंग की। इसके बाद सदस्यों और उनके परिजन ने विभिन्न खेल प्रतिस्पर्धाओं में भाग लिया। इसका मकसद सदस्यों के बीच नेटवर्किंग को मज़बूती देना था। परिवार के सदस्यों ने भी उत्साह के साथ मनोरंजक गतिविधियों में भाग लिया।

इस अवसर पर एक विशेष संगीत प्रस्तुति हुई। ड्रमिंग परफॉर्मेंस ने सबको मंत्रमुग्ध किया। स्टेंसिल प्रतिष्ठान के लूनिया परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया गया।

संस्था के मुख्य सचिव नितिन लूनिया ने आगामी कार्यक्रम की घोषणा की। उन्होंने बताया कि 'ग्लोरियस गुजरात' यात्रा का आयोजन किया जाएगा। पांच दिनों की इस पर्यटन यात्रा में गुजरात के विभिन्न स्थानों के अवलोकन का मौका मिलगा।

ट्रेकिंग व टीम बिल्डिंग कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने तथा सुचारु रूप से कार्यान्वित करने में स्पोर्ट्स संयोजक चेतन बोहरा, सह-संयोजक चेतन लाढानी और महावीर भंसाली की भूमिका उल्लेखनीय रही। समस्त प्रबंधन समिति सदस्यों के सहयोग से कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

इस अवसर पर जीतो केकेजी जोन के कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश जैन, जीतो बेंगलूरु साउथ के उप चेयरमैन महेंद्र रांका, कोषाध्यक्ष नेमीचंद चोपड़ा, सह कोषाध्यक्ष महावीर दांतेवाडिया और प्रबंध समिति के सदस्य भी परिवार सहित मौजूद थे।

संस्था के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने कहा कि यह खुशी की बात है कि ट्रेकिंग और टीम बिल्डिंग गेम्स को लेकर सदस्यों ने उल्लेखनीय उत्साह दिखाया है। इससे सदस्यों के बीच नेटवर्किंग तथा परिवारों के बीच आपसी रिश्ता और मज़बूत बन सकेगा। उन्होंने प्रतिष्ठान स्टेंसिल का आभार जताया और भविष्य में भी समर्थन की आशा व्यक्त की।

वर्ष 2025 के चातुर्मास की घोषणा हुई

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मुनिसुव्रत कुमारापार्क जैन संघ के तत्वावधान में भंवरीबाई घेवरचंदजी सुराणा परिवार द्वारा कुमारापार्क रेलवे पैरेलल रोड पर निर्माणाधीन सुराणा आराधना भवन में आचार्य अभयशेखर सूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा एवं संस्कारनिधि म.सा. आदि ठाणा के वर्ष 2025 के चातुर्मास की घोषणा हुई। दी गई जानकारी के अनुसार, चातुर्मास की घोषणा चेन्नई में आचार्य अभयशेखर सूरीश्वरजी म.सा. के 50वें दीक्षा पर्याय दिवस की पावन वेला पर हुई। भव्य धर्मसभा में इस शुभ घोषणा ने समस्त श्रद्धालुओं के हृदय में धर्मानंद और उत्साह का संचार किया। यह अवसर न केवल कुमारापार्क जैन संघ के लिए, बल्कि समस्त जैन समाज के लिए स्वर्णिम अध्याय बनेगा। इस घोषणा के समय चेन्नई में कुमारापार्क संघ के अध्यक्ष प्रकाश राठौड़, सचिव पारस भंडारी, ट्रस्टी रवि जैन, आनंद सुराणा, जयंतीलाल सुराणा एवं संघ के कई गणमान्य सदस्य मौजूद थे।

भारतीय संस्कृति का प्रतिबिम्ब है देश का संविधान : बागड़े

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि संविधान देश को शासित करने से जुड़ा पवित्र ग्रंथ भर नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति का प्रतिबिम्ब है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान विश्वभर के लोकतंत्रों की सर्वश्रेष्ठ व्याख्या है। आधिकारिक बयान के अनुसार राज्यपाल ने संविधान दिवस (26 नवम्बर) की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि संविधान की उद्देशिका हम भारत के लोग देश में संप्रभुता और लोकतांत्रिक भारतीय मूल्यों का ही दर्शन है तथा संविधान की आस्था 'लोकतंत्रात्मक शासन पद्धति' में है। संविधान का मूल भाव मानवता होने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि नागरिकों में बंधुता, स्वाभिमान और राष्ट्र की एकता से जुड़ा यह संविधान देश के आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन का घोषणा पत्र है। राज्यपाल ने कहा है कि संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष बाबा साहब भीमराव आंबेडकर ने संविधान सभा में दिए अपने पहले भाषण में संवैधानिक नैतिकता शब्द का उपयोग किया था।

वामपंथी उम्मीदवार यामांडू ओरसी उरुग्वे के नए राष्ट्रपति चुने गए

मोंटेवीडियो (उरुग्वे)/एपी। उरुग्वे के वामपंथी उम्मीदवार यामांडू ओरसी रविवार को एक कड़े मुकाबले में सत्तारूढ़ गठबंधन को हराकर देश के नए राष्ट्रपति चुने गए। राष्ट्रपति पद के चुनाव में ओरसी से अत्यंत नजदीकी मुकाबले के बाद सत्तारूढ़ गठबंधन के उम्मीदवार इवारो डेलगाडो ने मतगणना जारी रहने के बावजूद हार स्वीकार कर ली। इसके साथ ही उरुग्वे उन देशों में शामिल हो गया है, जहां इस साल हुए चुनाव में सत्तारूढ़ पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है। ओरसी ने अपने समर्थकों की विशाल भीड़ को संबोधित करते हुए कहा, ''स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के देश ने एक बार फिर विजय प्राप्त की है।'' उन्होंने कहा, ''मैं ऐसा राष्ट्रपति बनूंगा, जो राष्ट्रीय संवाद का बार-बार आह्वान करेगा, जो एक अधिक एकीकृत समाज और देश का निर्माण करेगा।''

जैसे ही प्रारंभिक 'एग्जिट पोल' में कामगार वर्ग से संबंध रखने वाले और इतिहास के पूर्व शिक्षक ओरसी (57) को डेलगाडो पर बढ़त मिलती दिखाई दी, तो मोंटेवीडियो के समुद्र तटों पर उनके समर्थकों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया। उरुग्वे के 'ब्रॉड फ्रंट' गठबंधन के नेता ओरसी दो बार मेयर रह चुके हैं।

डेलगाडो ने रविवार को अपने समर्थकों से कहा, ''दुख है कि चुनाव में हम हार गए, लेकिन बिना किसी अपराध बोध के हम विजेता को बधाई देते हैं।' वाम गठबंधन 'ब्रॉड फ्रंट' ने 'एक्स' पर एक बयान जारी कर ओरसी को राष्ट्रपति घोषित किया। पिछले महीने हुए राष्ट्रपति चुनाव में 'कंजर्वेटिव' दलों के सत्तारूढ़ गठबंधन और वाम एवं मध्यमार्गी दलों के विपक्षी गठबंधन के स्पष्ट बहुमत हासिल करने में नाकाम रहने के बाद रविवार को दूसरे दौर का मतदान कराया गया, जिसमें ओरसी विजयी रहे। इस चुनाव में गर्भपात का कानूनी अधिकार, समलैंगिक शादी और गांजा बिक्री अहम चुनावी मुद्दे बनकर उभरे हैं।

पुनर्वा नादश्री 2024 का आयोजन हुआ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। निनादा संस्कृति कला केंद्र द्वारा रवींद्र कला क्षेत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम पुनर्वा नादश्री 2024 का आयोजन किया गया। विद्या सिंधु माधव तीर्थरु एवं नाडोजा बीके सुमित्रा ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर 100 से भी ज्यादा प्रतिभागियों ने एकल एवं समूह गान की प्रस्तुति दी। विजेता प्रतिभागियों को विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में कला केंद्र के अध्यक्ष हरीश नरसिंह एवं सुधींद्र राव भी मौजूद थे।

रैली

कोलकाता में सोमवार को महिलाओं के खिलाफ हिंसा उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाने के लिए एक रैली में भाग लेती महिलाएं।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com